CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पूर्णिमा

इतिहास-प्रधान त्रैमासिक पत्रिका

१३२ पूर्णाङ्क

सबभन्दा पहिले प्रचारमा आएको ठ्यासफू ३ खण्ड २९५-३४८

जोरावरसिंहको वि.सं. १८०४ को भद्रकालीको शिलालेख ३४९-३५३

पररा‍ष्ट्रमन्त्रालयमा रहेका २ पत्र ३५४-३५७

आम्दानीखर्चको विवरण ३५८-३६०

संशोधन-मण्डल

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

का.मे.अ.द.नं १५५/२४९

तदिह न गुणदोषौ योजनीयावलीकौ
कथमपि महता यत् संस्कृतोऽयं श्रमेण ।

– वापूदेव शास्त्री

[धेरै मिहिनेत गरी यो तयार गरिएको छ । यस कारण यहाँ भूटो गुण अथवा दोष नलाइदिनुहोला ।]

पूर्णिमा

(इतिहास-प्रधान त्रैमासिक पत्रिका)

३३ वर्ष

४ अङ्क

सम्पादक –
महेशराज पन्त
दिनेशराज पन्त

प्रकाशक –
दिनेशराज पन्त
(संशोधन-मण्डलद्वारा)

यस अङ्कको मूल्य रु. १८०।-

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

बिक्रीमा भएका हाम्रा कृति

१.	*अभिलेख-संग्रह* (१-१२ भाग)*	२००/-
२.	*आदर्श, अ सप्लिमन्ट् टु पूर्णिमा, द जर्नल् अफ् द संशोधन-मण्डल* (१-२ सङ्ख्या)	५५०/-
३.	*इतिहास-संशोधन* (१-६८ सङ्ख्या)*	३५०/-
४.	*इतिहास-संशोधनहरूको अभिनन्दन-ग्रन्थ*	५।-
५.	*इनेप्ट् स्पेस्इमिन् ?*	२०/-
६.	*कौटलीय अर्थशास्त्रको ऐतिहासिक व्याख्या* (१-२ सङ्ख्या)*	५०/-
७.	*गोरखाको इतिहास* (१-४ भाग)	५००/-
८.	*त्रिकोणमिति*	२५।४०
९.	*दैवज्ञशिरोमणि लक्ष्मीपति पाँडेको धूपघडी*	१००/-
१०.	*धादिङमा फेला परेका नेपाली कविता*	७५।-
११.	*नयराज पन्तलाई चिनाउनको लागि*	२५।-
१२.	*नेपालको संक्षिप्त इतिहास*	१२५।-
१३.	*नेपालसंवत्को राष्ट्रिय मान्यताको अनौचित्य*	५।-
१४.	*पञ्चाङ्ग-संशोधन* (१-१७ सङ्ख्या)	३०/-
१५.	*पं. गोपाल पाँडे र उनको घनमूल ल्याउने रीति*	१६।४०
१६.	*पशुपतिनाथको दर्शन स्पर्शन पूजनसम्बन्धमा समीक्षा*	८०/-
१७.	*पूर्णिमा* (१-१०, ३३ पूर्णाङ्क) फोटोकपीमा	१०००/-
१८.	*पूर्णिमा* (११-३२, ३४-१३२ पूर्णाङ्क)	४९३८।-
१९.	*प्राचीन र नवीन गणितको तुलना*	१५।-
२०.	*बुद्धिविनोद-प्रश्नावली र त्यसको उत्तर*	५०/-
२१.	*रत्नदीप*	२।५०
२२.	*रत्नदीप* १ भाग	१०५।-
२३.	*रत्नदीप* २ भाग	९२।-
२४.	*राजीवलोचन जोशीका बराज्यू दामोदर जोशी*	७५।-
२५.	*लिच्छवि-संवत्को निर्णय*	१००/-
२६.	*विद्या-रक्षा* (१-१५ सङ्ख्या)*	५०/-
२७.	*विश्रान्ति*	८२।-
२८.	*वृत्तशतक*	३।-
२९.	*व्याकरण-संशोधन* (१-१० सङ्ख्या)*	३५।-
३०.	*श्री ३ महाराज पद्मशमशेरका कुरा*	१२।-
३१.	*सावधान-पत्र* (१-३१ सङ्ख्या)*	१००/-
३२.	*हाम्रो उद्देश्य र कार्यप्रणाली*	१००/-
३३.	*हिन्दू सिद्धान्तज्यौतिष र ग्रीक सिद्धान्तज्यौतिषको तुलना*	२९।-
३४.	*ह्वट् डिड् अंशुवर्मन् राइट् ?*	४०/-

* यिनका कुनै कुनै भाग/सङ्ख्या फोटोकपीमा छन् ।

हाम्रा कृति पाइने ठेगाना

संशोधन-मण्डल

२७ डल्लुआवासमार्ग, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४६७०३८०, ४३०१०२५

११६ पावनगल्ली, धुम्बाराही, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४४३५७४९

ई-मेल– samshodhanamandala@yahoo.com

पो.ब.नं. ४१६६, काठमाडौँ, नेपाल

साझा प्रकाशनका सबै पसलमा

हिमालयन बुक सेन्टर

रेडक्रस बिल्डिङ, बागबजार

पो.ब.नं. १३३९, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४२४२०८५

वज्र बुक शप

ज्याठाटोल

पो.ब.नं. २१७७९, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४२२०५६२

रत्न बुक डिष्ट्रिब्यूटर्स

७१ क ब्याङ्कमार्ग, बागबजार

पो.ब.नं. ९८, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४२४२०७७, फ्याक्स नं. ४२४८४२१

रत्नपुस्तकभण्डार

ग्रीन हाउस २७१, माइतीघर, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४२४०८५०

पाटन बुक शप

पाटन ढोका, ललितपुर, नेपाल

फोन नं. ५५५५२५६

बुक प्यार्अडाइस

जमल, काठमाडौँ, नेपाल

फोन नं. ४२३३४५६, ४३३१०६३

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

सबभन्दा पहिले प्रचारमा आएको ठ्यासफू

३ खण्ड

– महेशराज पन्त

मूलको, माइक्रोफिल्मबाट तयार गरिएको फोटोको फ्याक्सिमिलि

१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पृष्ठ ३

पृष्ठ २

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

४ पृष्ठ

चाहगञ्जलिकापूयावं, गञ्जलिछायादिन, श्रीश्रीजयनृपचन्द्रमल्लविज्ञानकाडा, लूया
चपकूसानडाञ्जना, स्वस्तकूकिर्जविज्ञानकू॥

१सम्वत्‌ ८ अक्षयुक्तः॥ द्वितीया, मृगशिरनक्षत्र, आदित्यवार, थकूक्कू, चौतारा चिकू
टिहाञ्जयादाञ्ज, दानक्कन, श्रीश्रीपशुपतिया, श्रीगानस, श्रीश्रीवर्णेश्वरसक, नेतपरि
देवलदयकाडा, गञ्जलिछायादिन॥ हाता श्रीरामचंद्रडपाध्या, जीगिडग्रमाल॥ य
ह्लयाहाथास, मूकिमशुपस, दिनयह्लसंअयूताइतियाकञ्जा॥

१सम्वत्‌ ८ अक्षयुक्तः॥ षष्ठी, अश्लेषनक्षत्र, बृहस्पतिवार, थकूक्कू, रंढपूजयाय यात, रात्रीस
श्रीश्रीहीमसनकाहाविज्ञानकूदिन॥

१सम्वत्‌ ८ अक्षयुक्तः॥ पूर्णमी, अश्वनक्षत्र, आदित्यवारकूक्कू, मूलरंढछाडादिन॥

१सम्वत्‌ ८ अक्षयुक्तः॥ अष्टमीप्रनवमी, उत्तरुद्धनक्षत्र, आदित्यवार, थकूक्कूयारात्रीसश्री
हीमसनथहाविज्ञानकादिन॥

१सम्वत्‌ ८ अक्षयुक्तः॥ दशमीप्रएकादशी, अश्विनीनक्षत्र, अतिगण्डयाग, अंगारवारथ
कूक्कू, श्रीश्रीहीमसनप्रतिष्ठायादादिनञ्जा॥ नवधा॥

५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पृष्ठ ७

पृष्ठ ३

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

फ्रेम ४

फ्रेम ५

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१० पृष्ठ

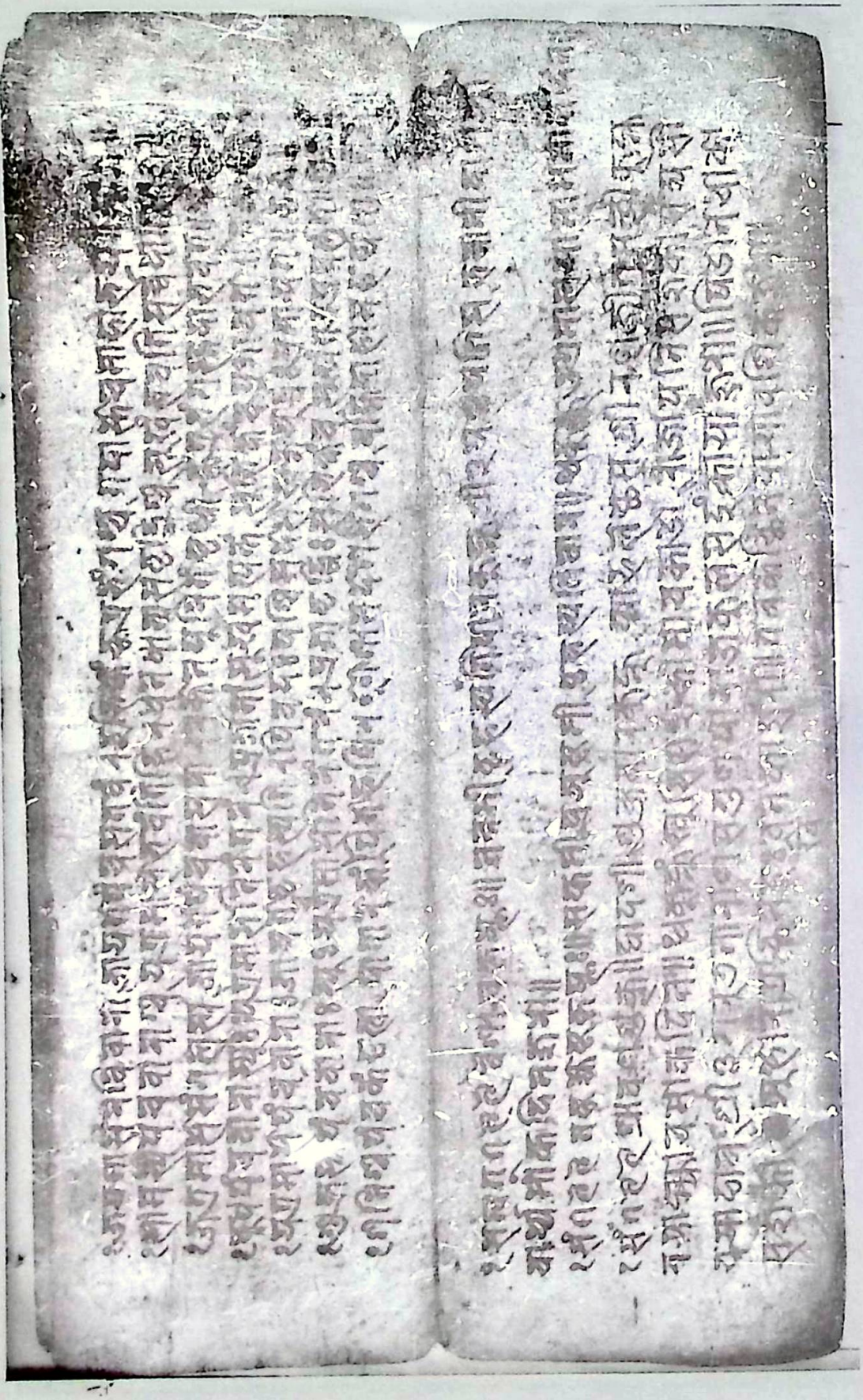

११ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१२ पृष्ठ

१३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१४ पृष्ठ

१५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१६ पृष्ठ

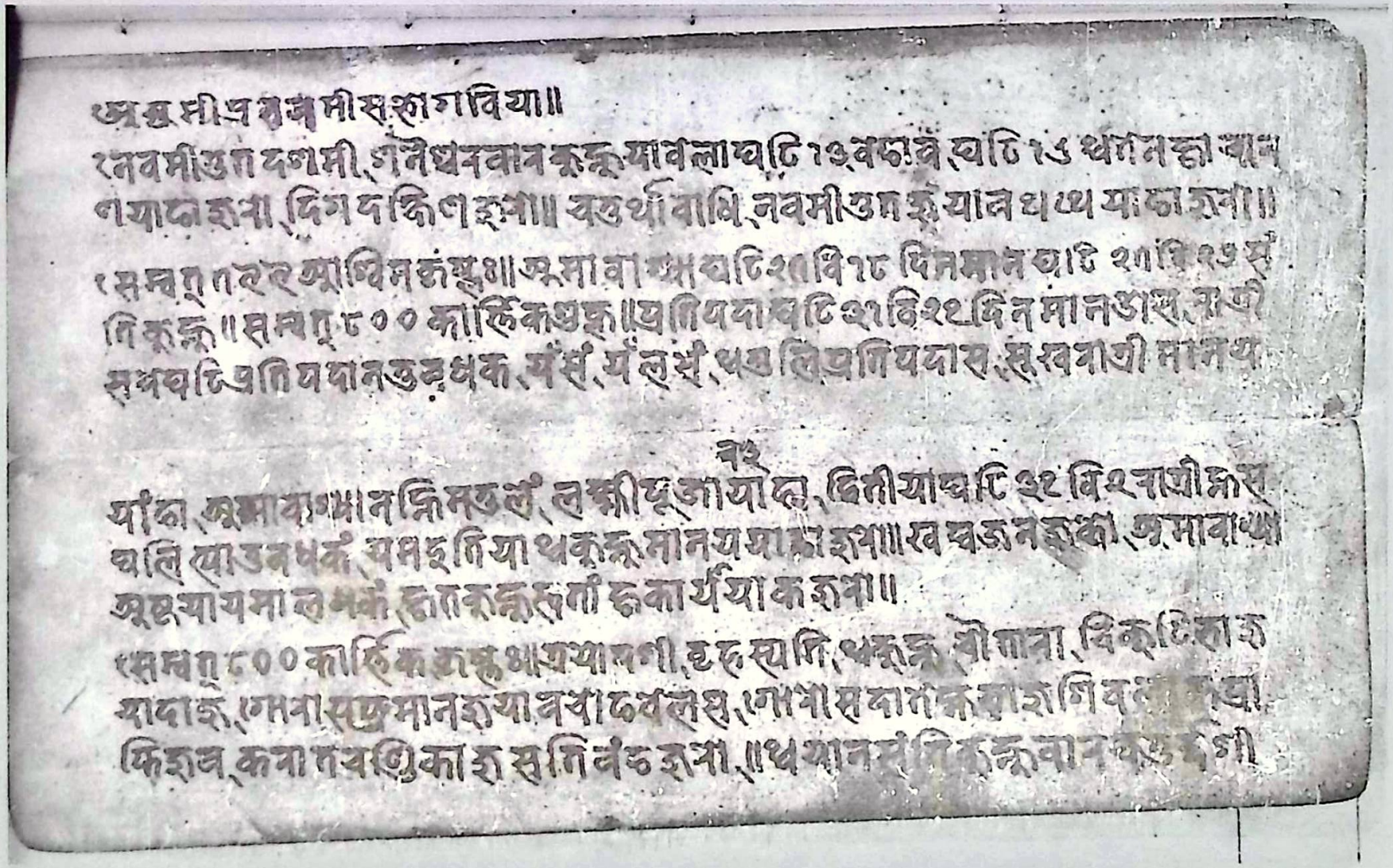

१७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१८ पृष्ठ

१९ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

२० पृष्ठ

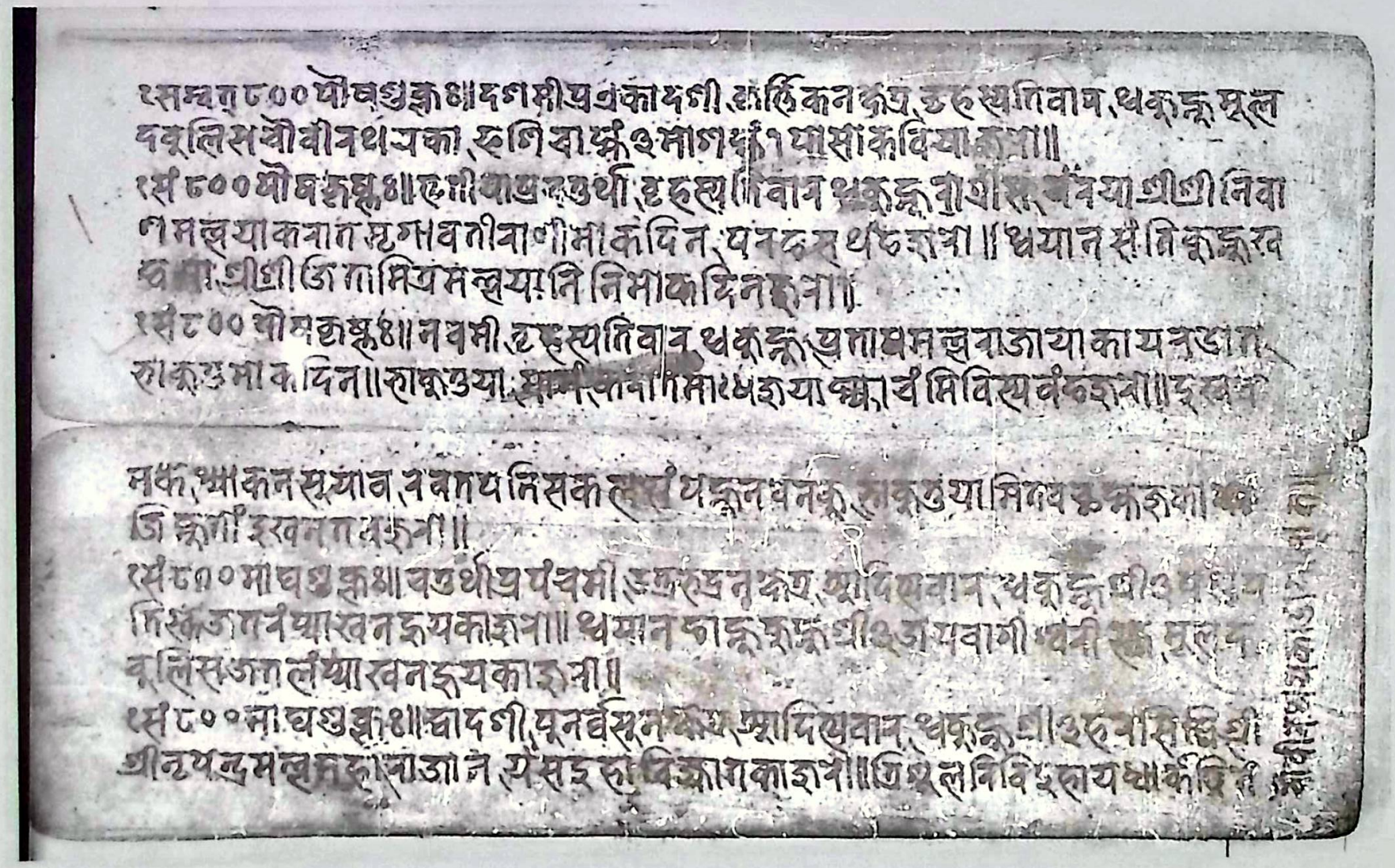

२१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

२२ पृ॰

२३ पृ॰

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

२४ पृष्ठ

२५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

३० पृष्ठ

३१ पृष्ठ

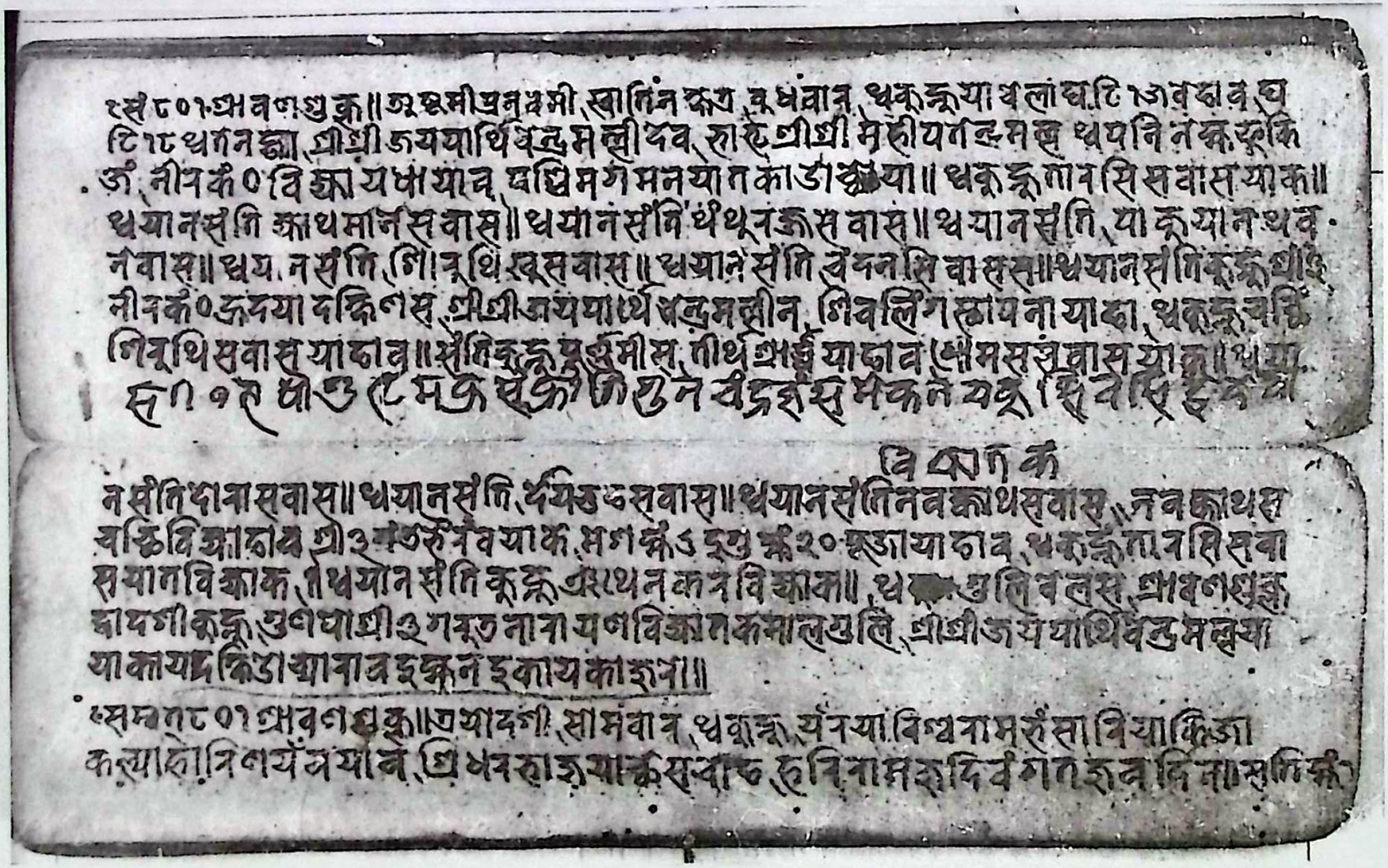

सबभन्दा पहिले प्रचारमा आएको ठ्यासफू ३ खण्ड

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पृष्ठ ४३ पृष्ठ ४४

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

३६ पृष्ठ

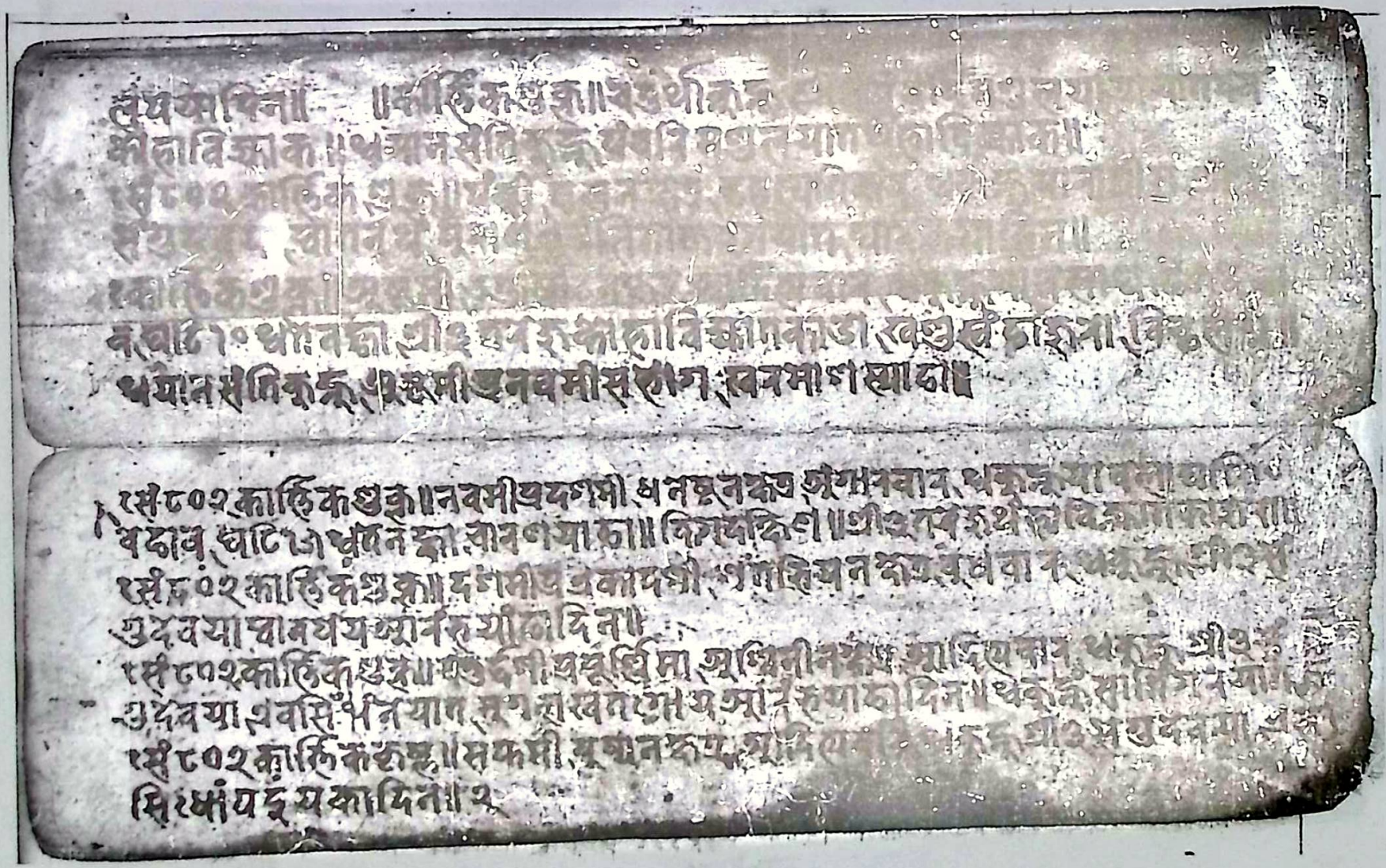

३७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

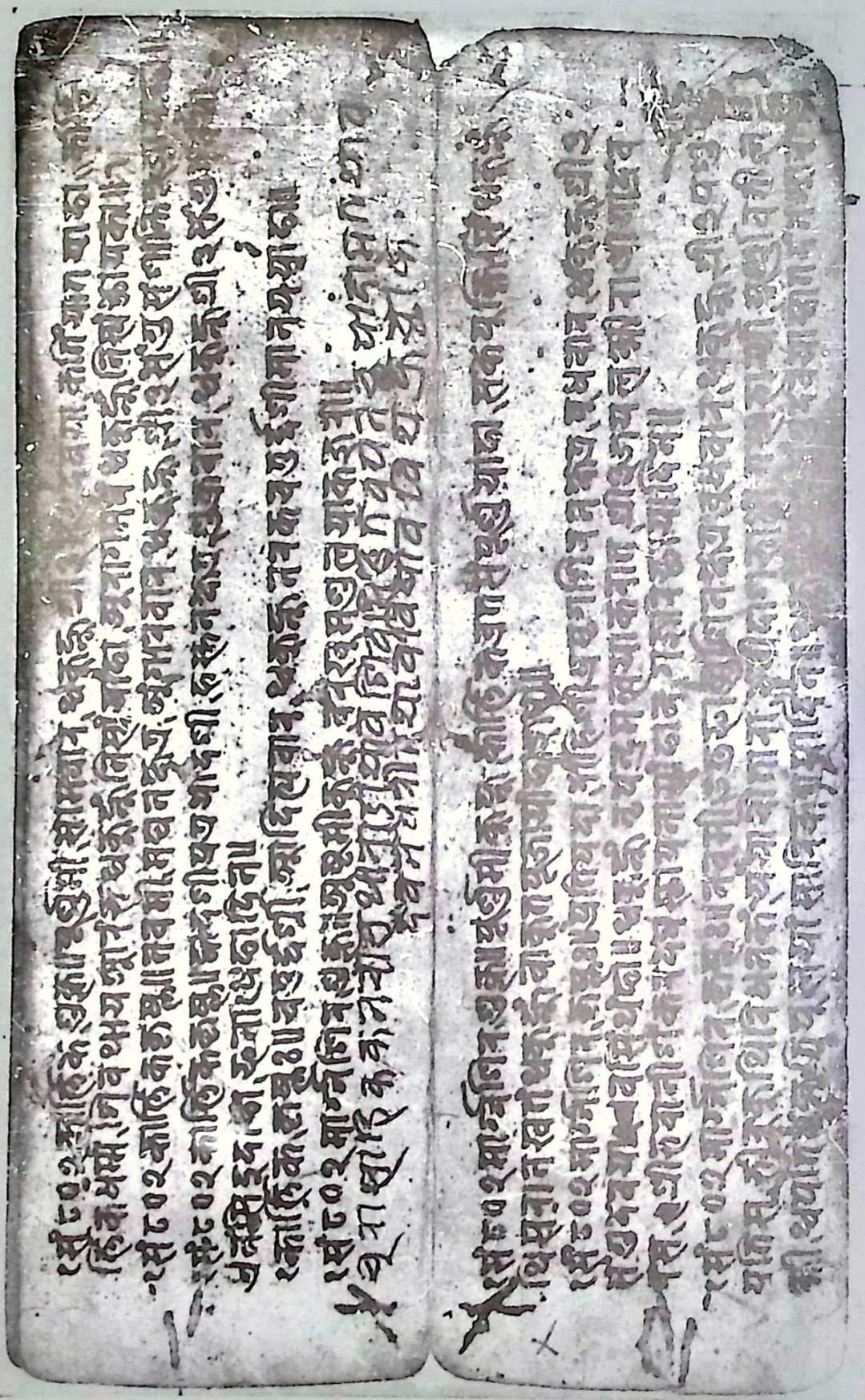

पृष्ठ ५३ पृष्ठ ५४

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

४० पृष्ठ

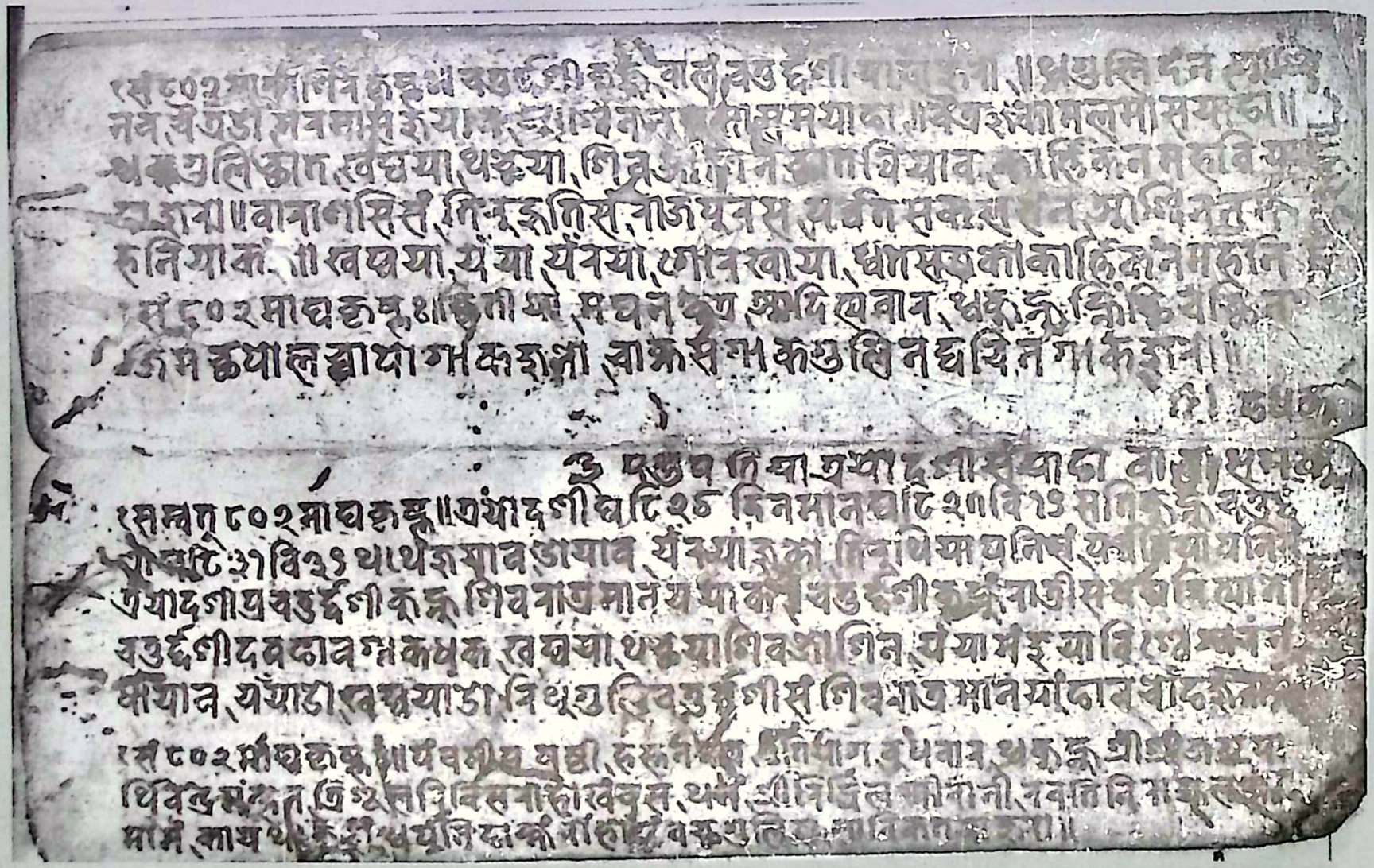

४१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

४२ पृष्ठ

४३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

४४ पृष्ठ

४५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

४६ पृष्ठ

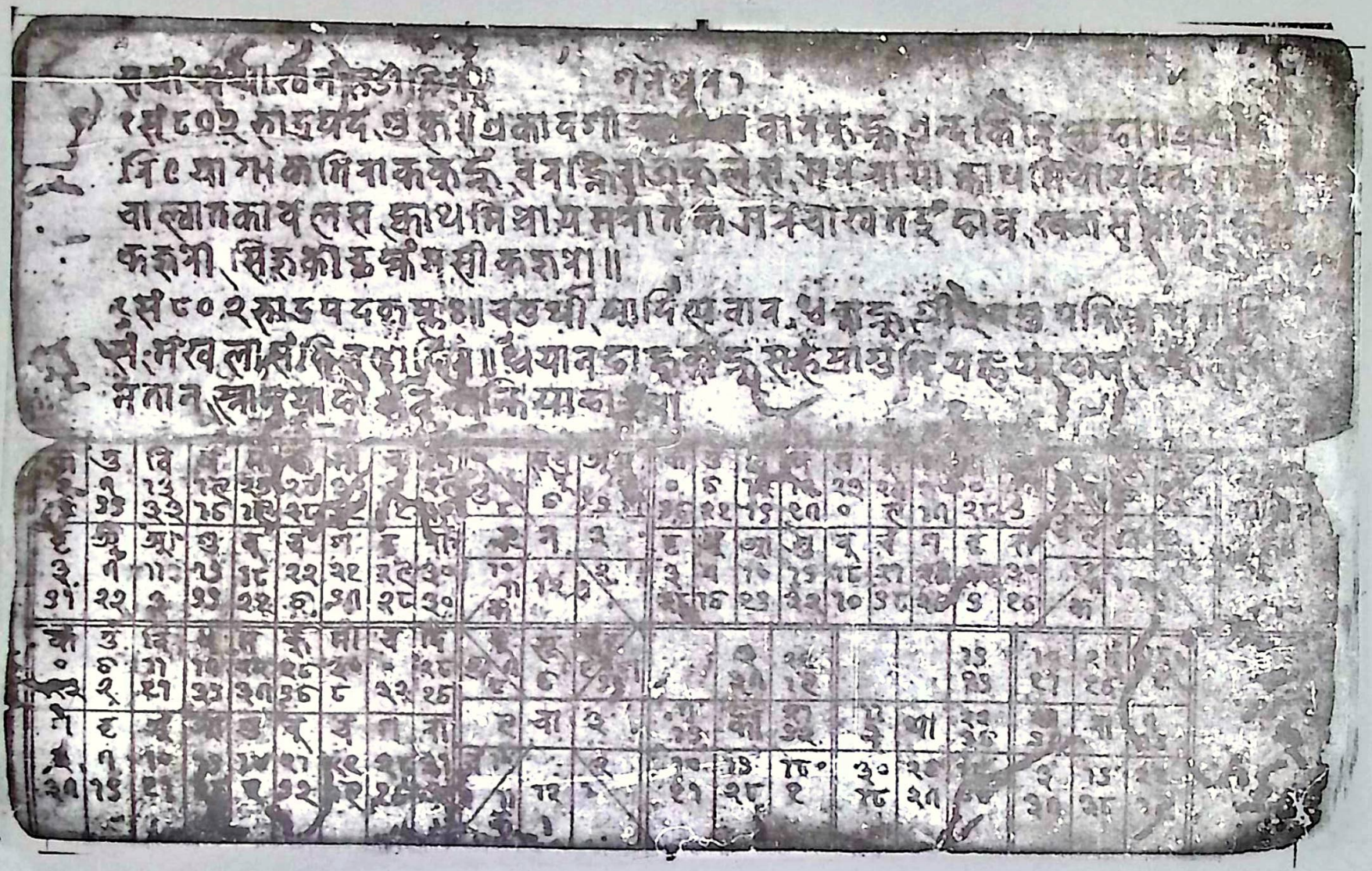

४७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

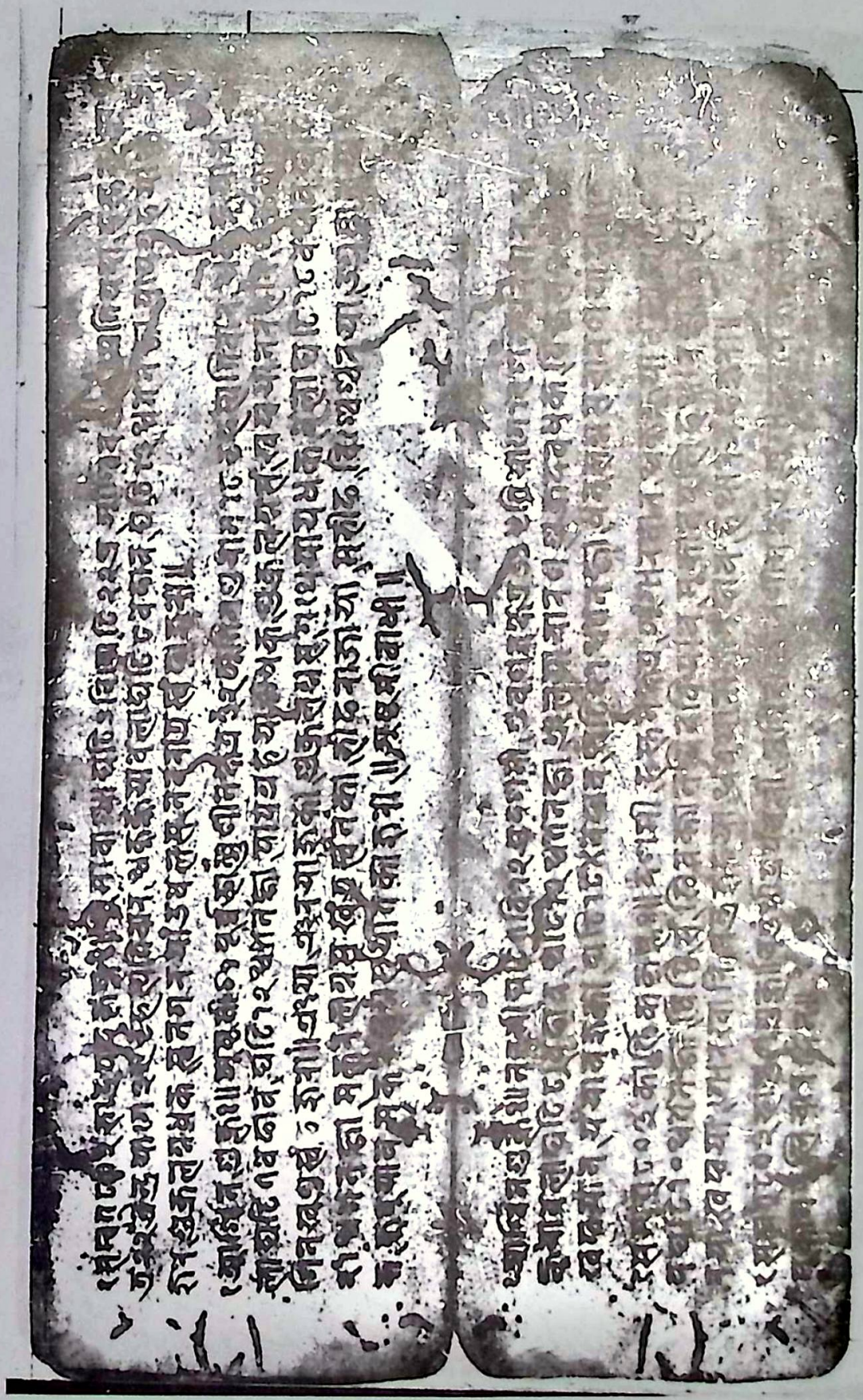

पृष्ठ ५४ पृष्ठ ५४

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

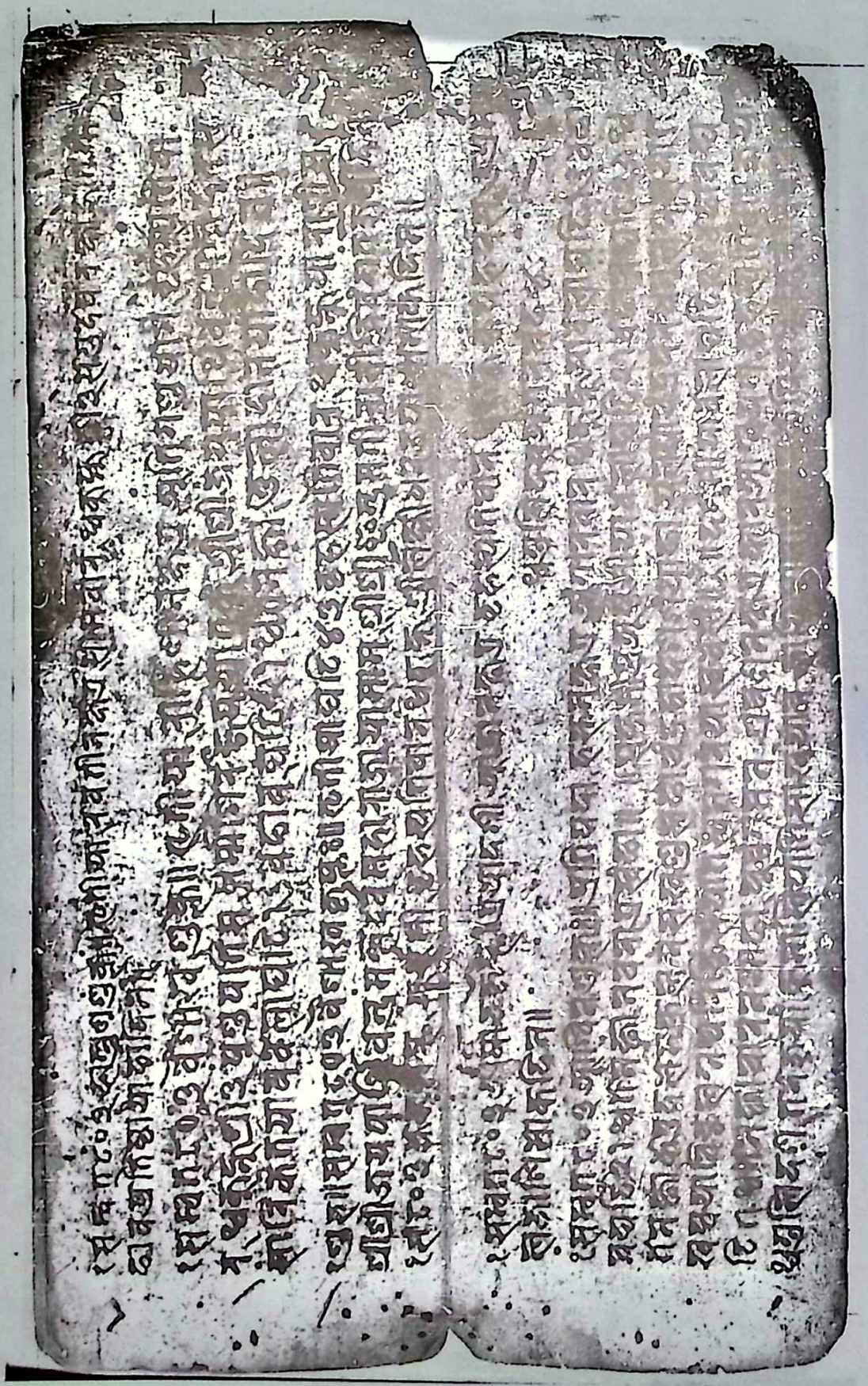

५० पृष्ठ

५१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

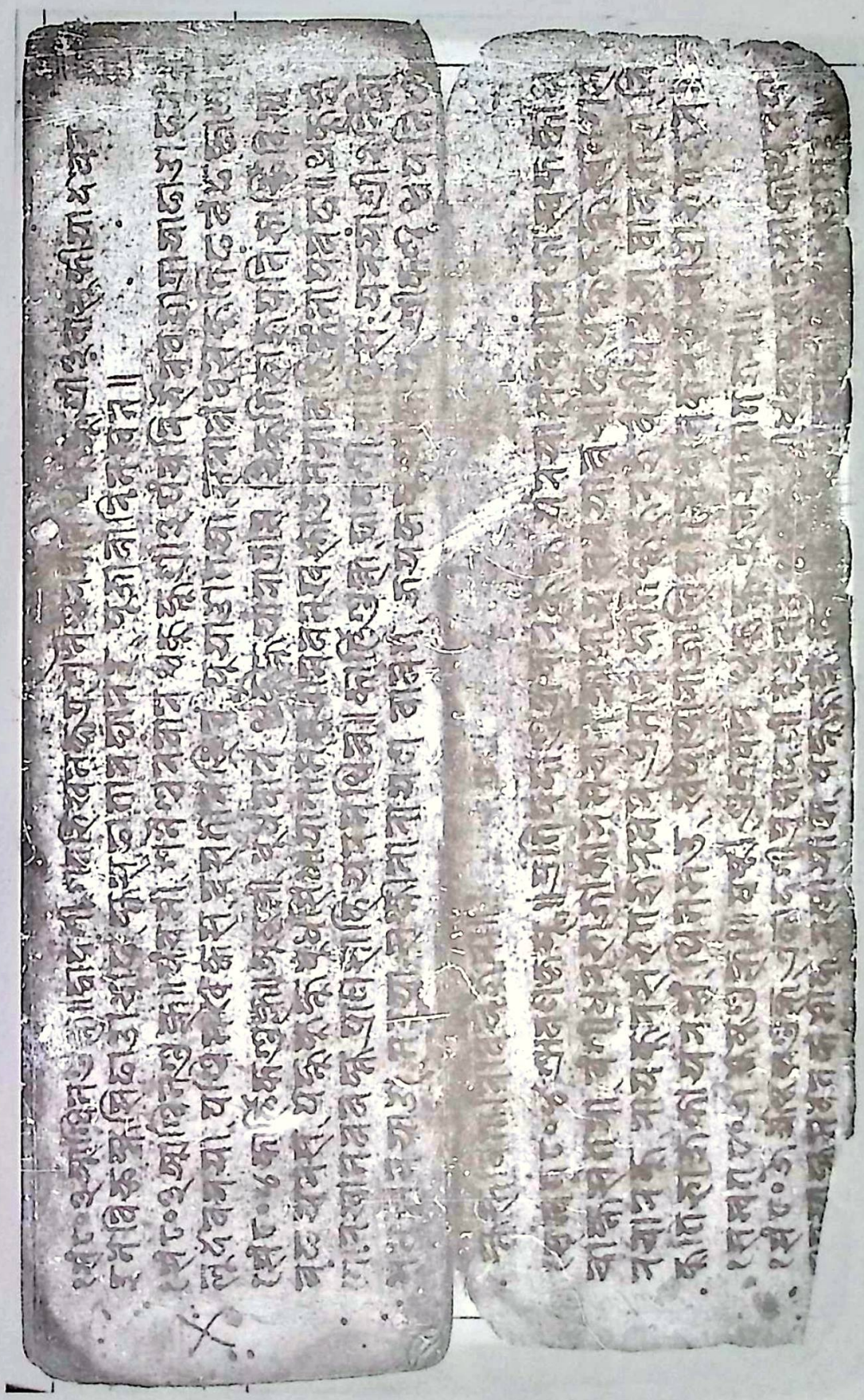

पृष्ठ ५२ पृष्ठ ५३

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

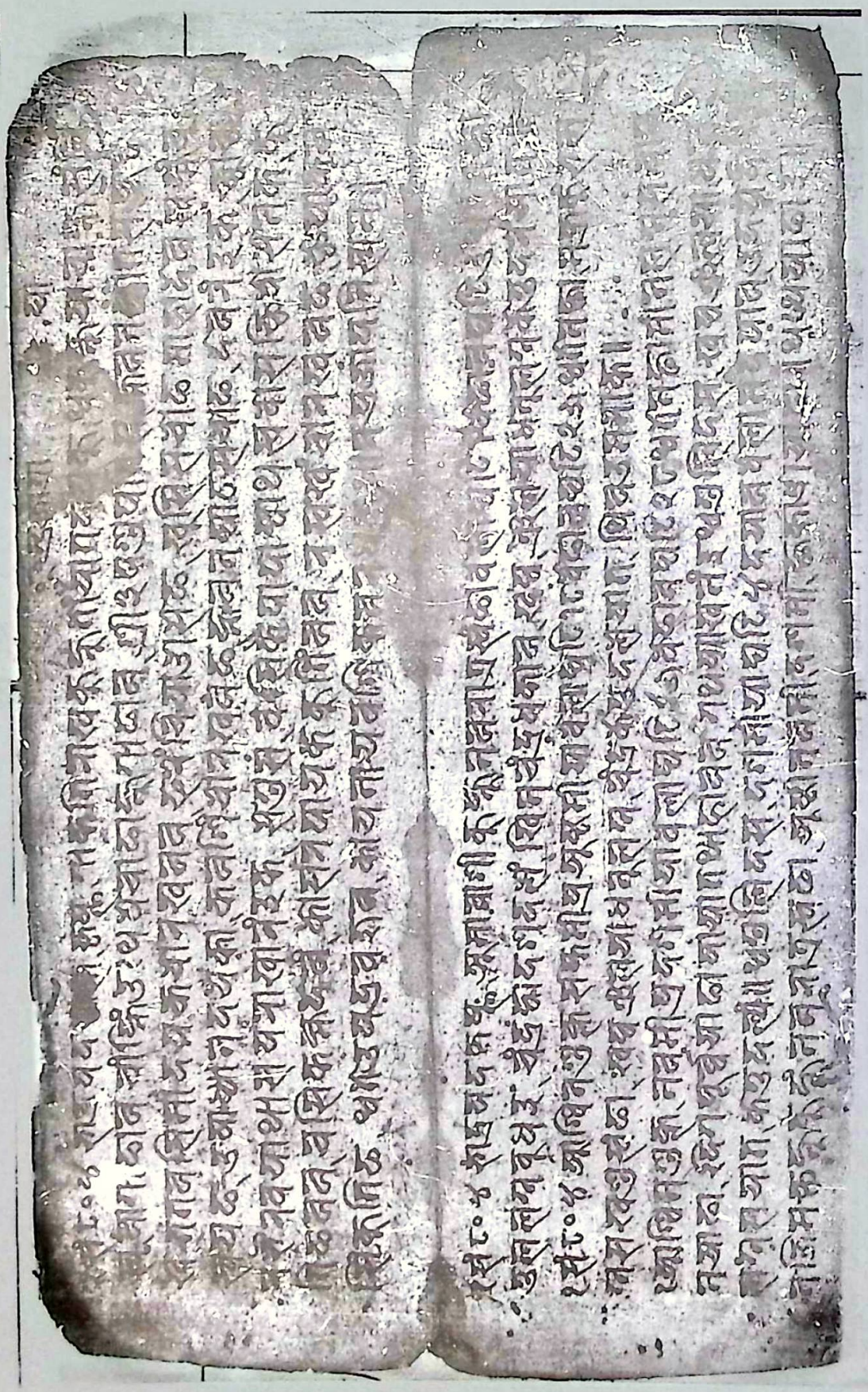

पृष्ठ ४५ पृष्ठ ४५

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

५६ पृष्ठ

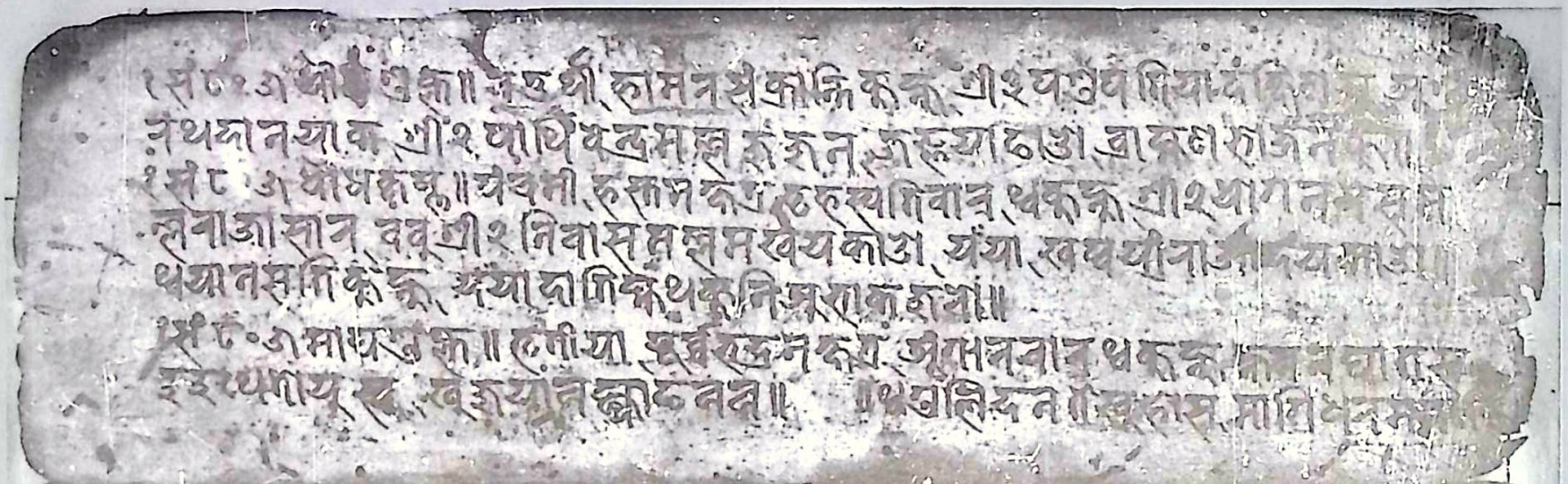

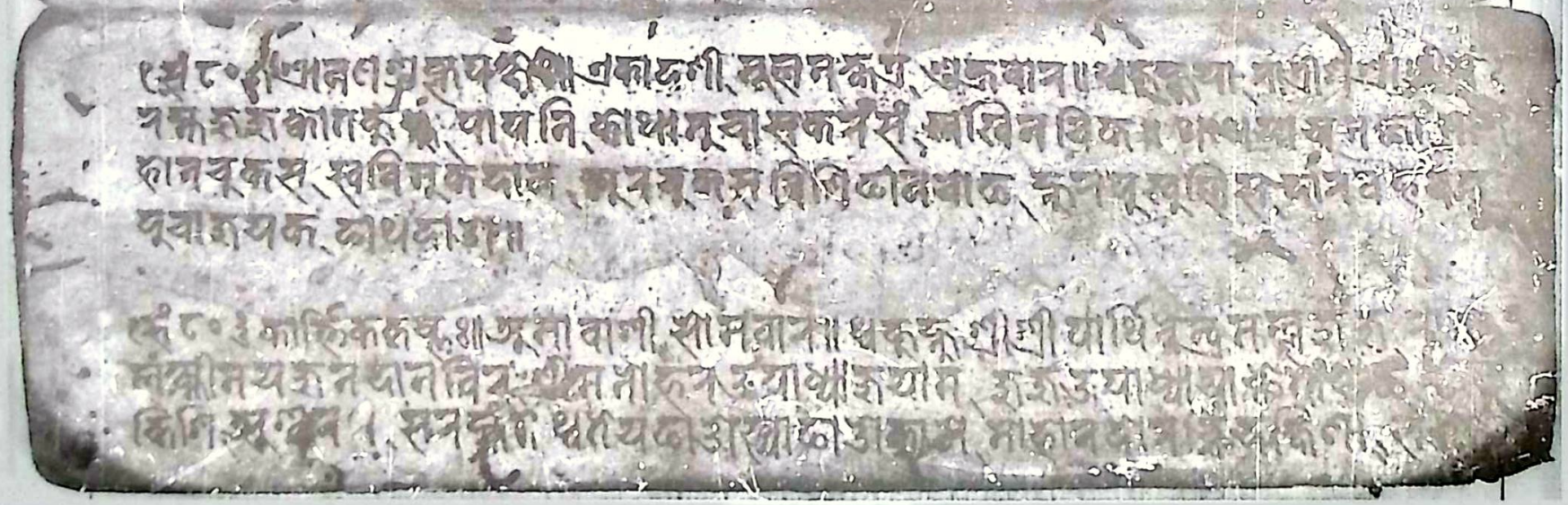

५७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

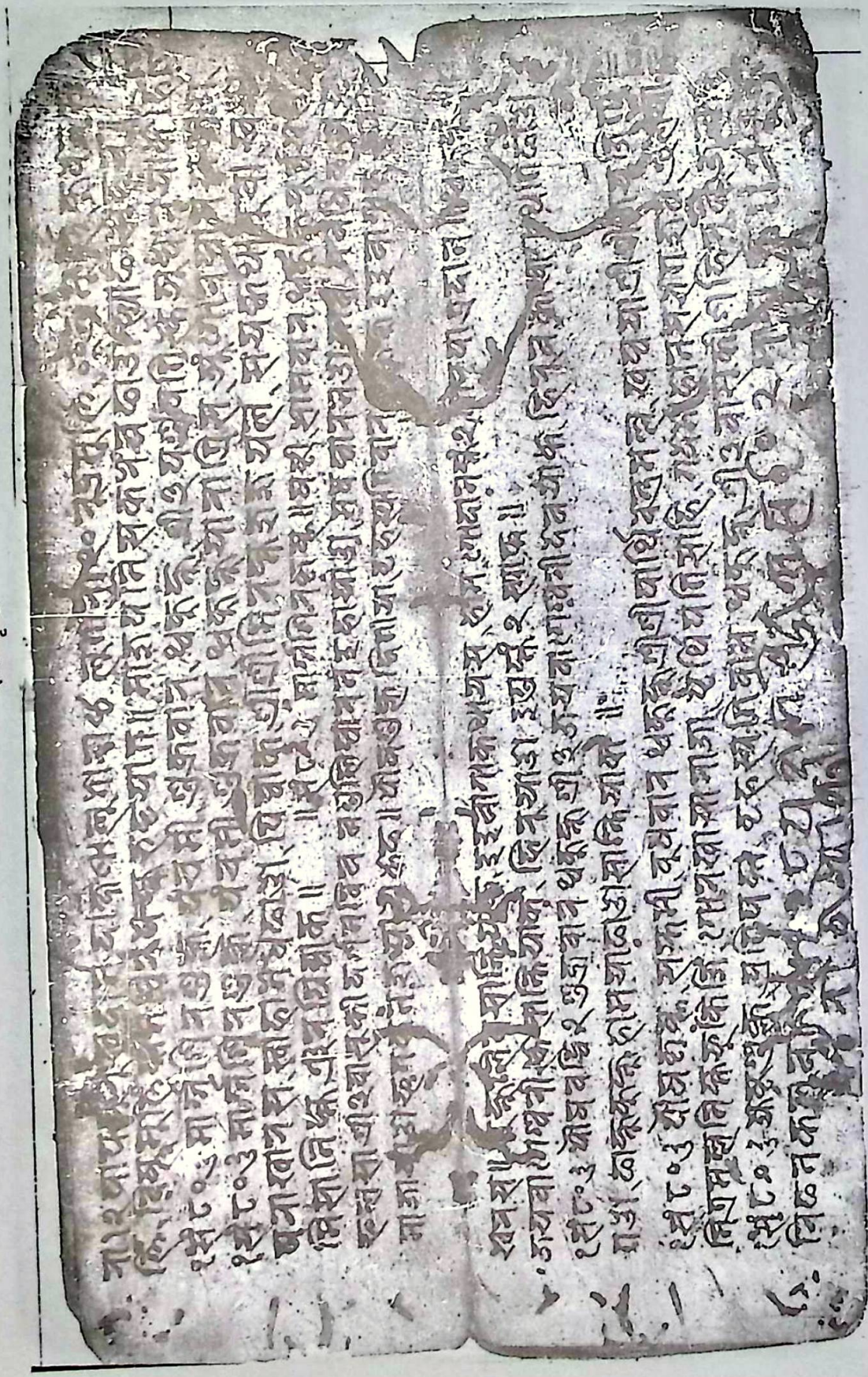

५८ पृष्ठ

५९ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

६० पृष्ठ

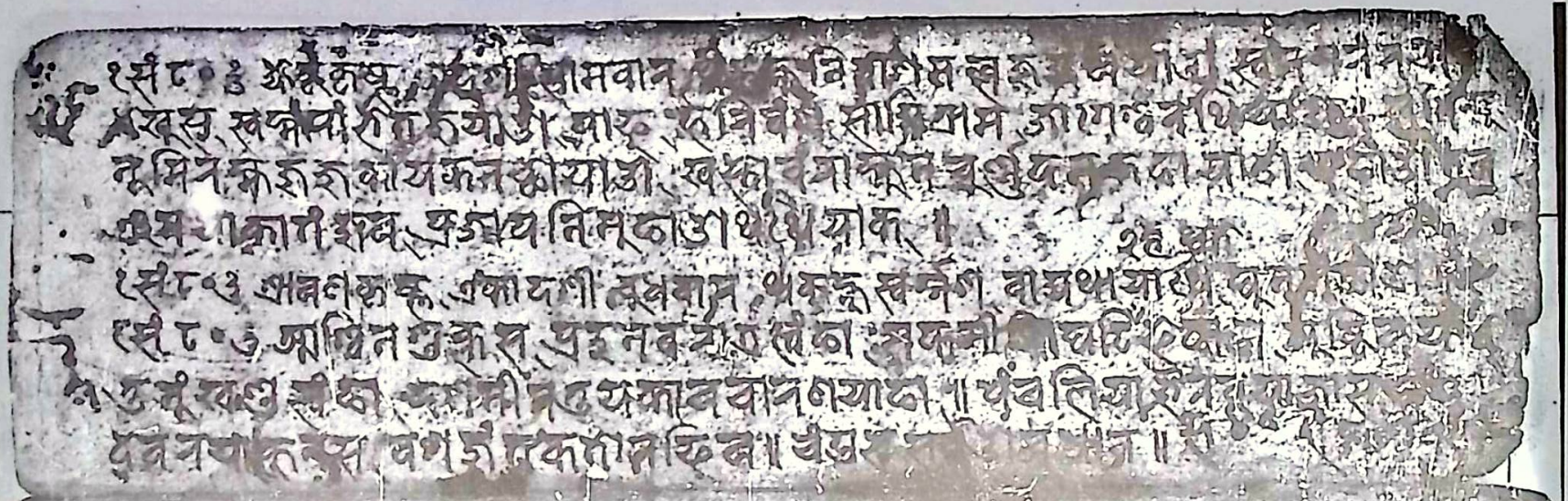

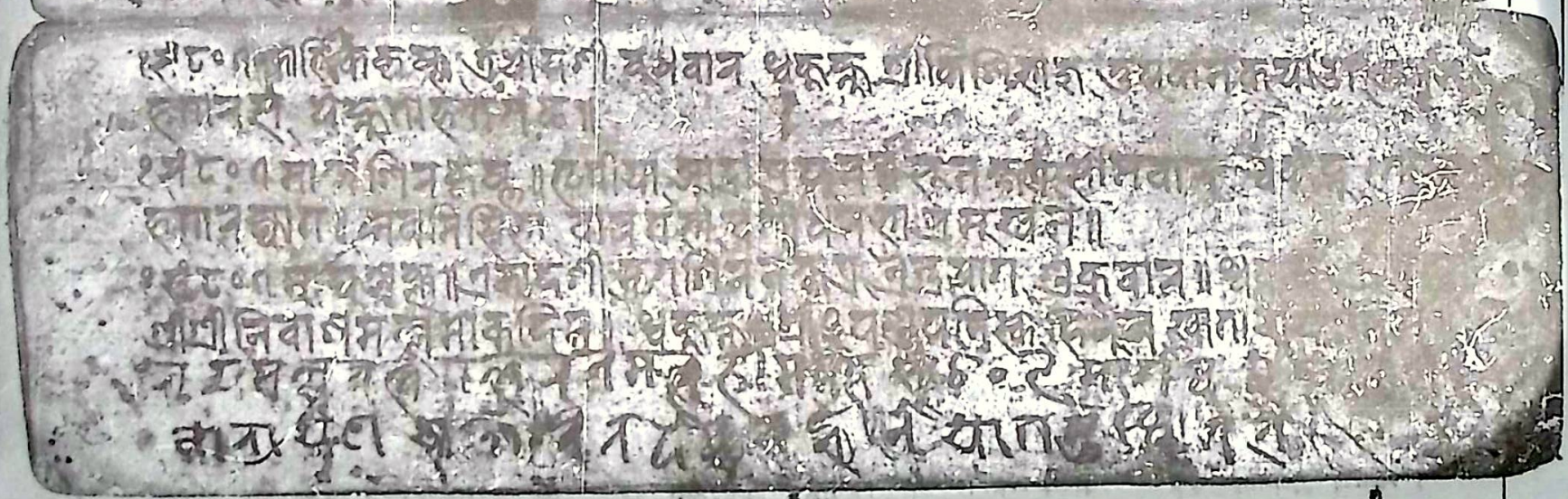

६१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

६२ पृष्ठ

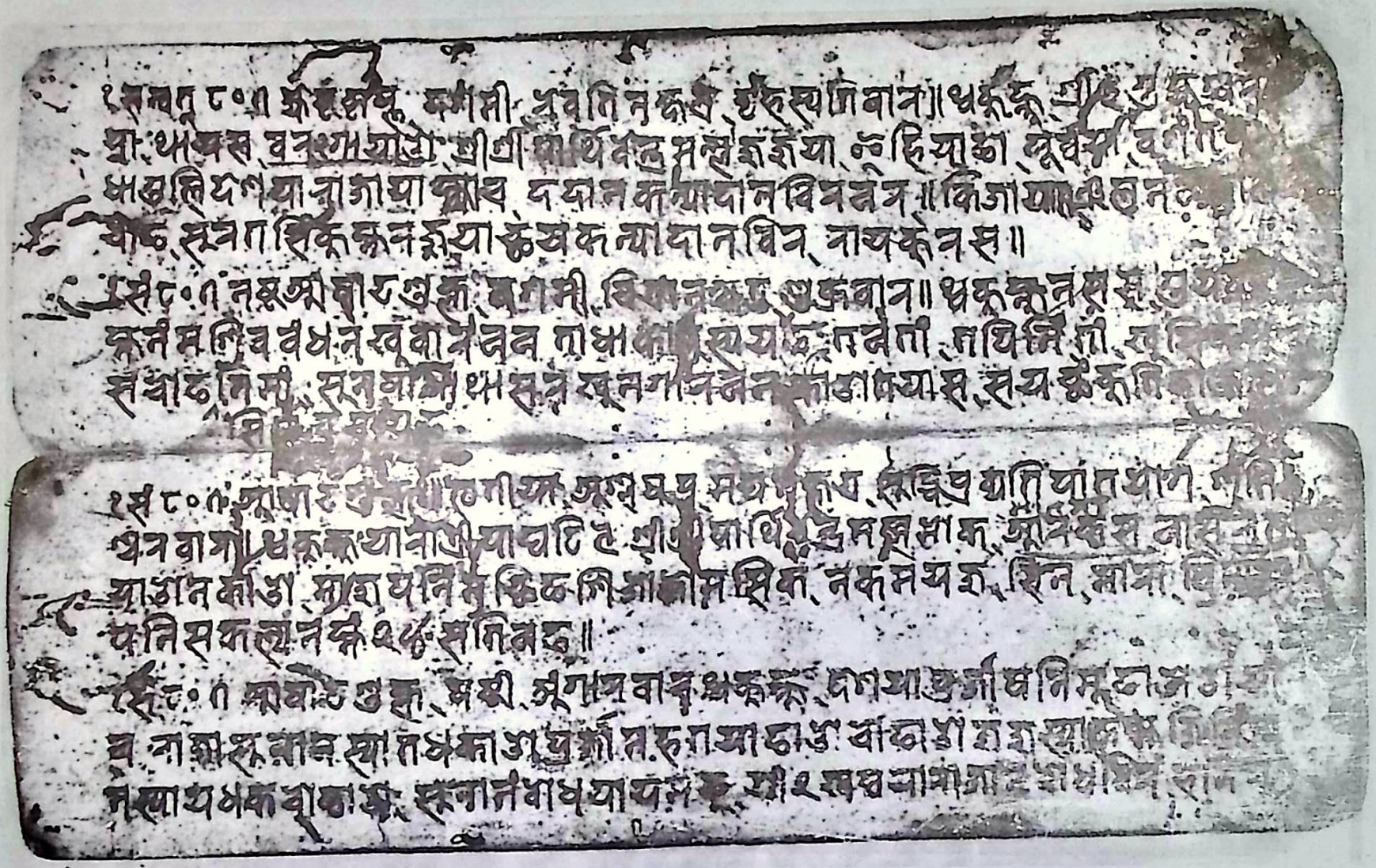

६३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

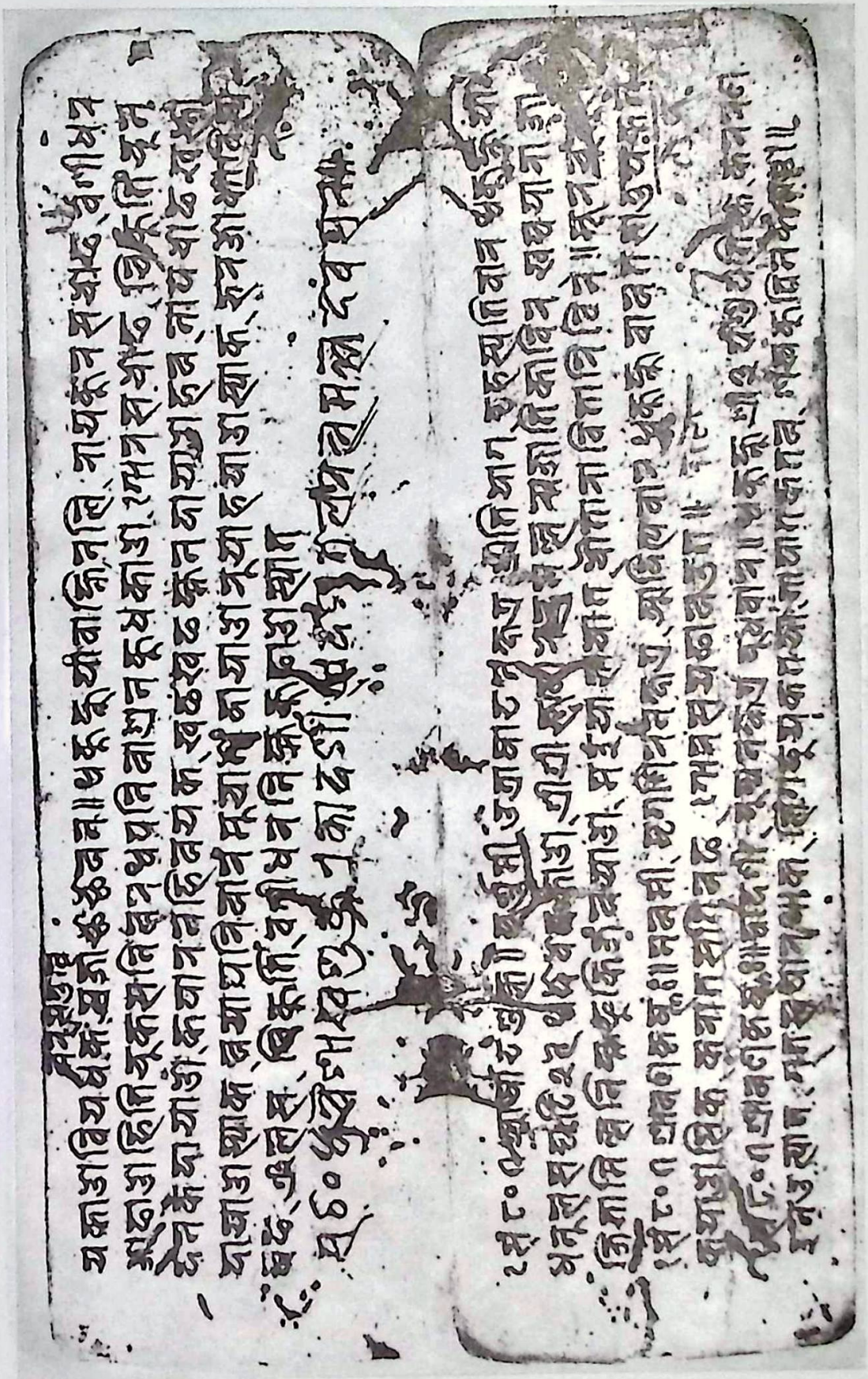

पृष्ठ ४३

पृष्ठ ४३

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

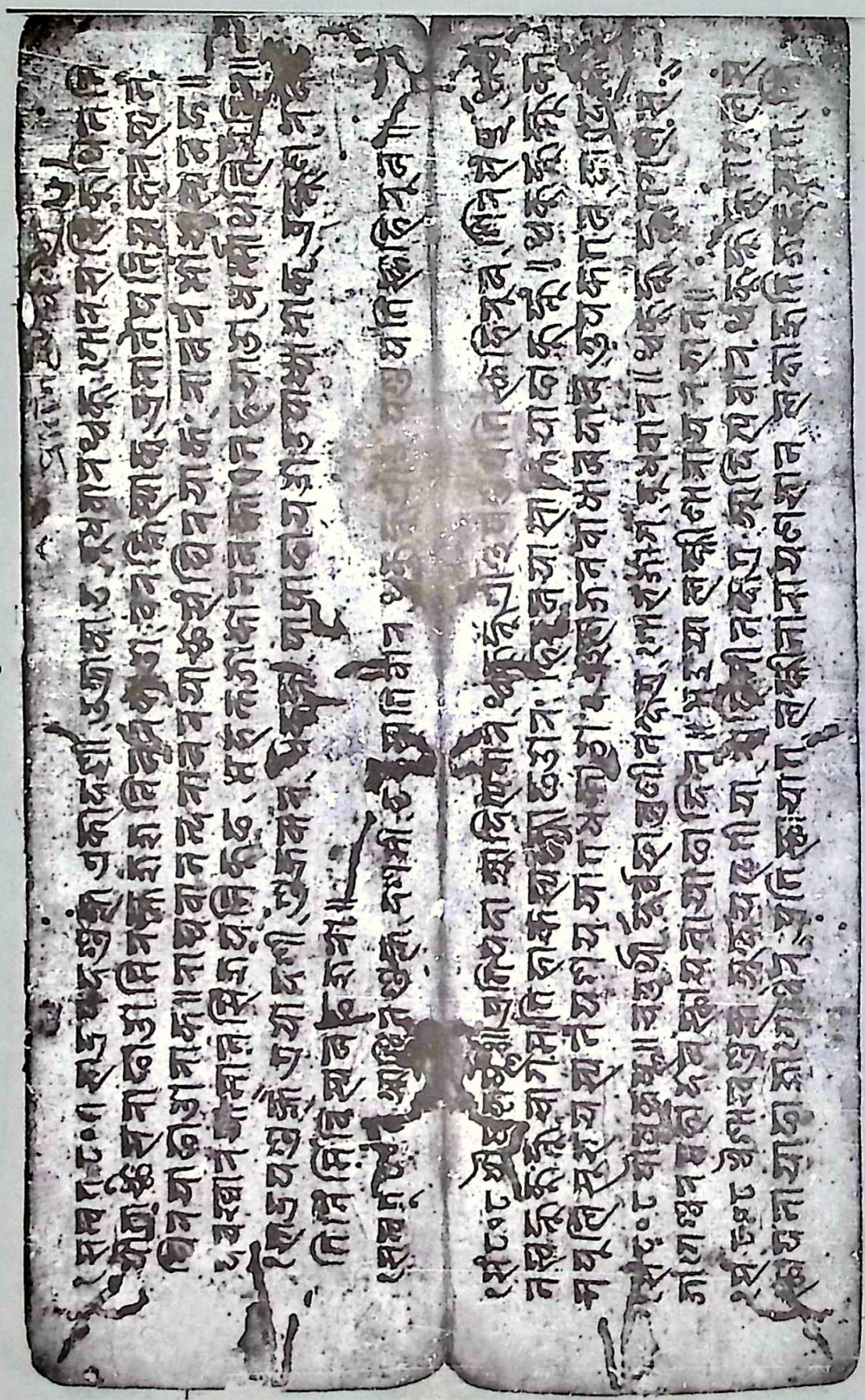

६६ पृष्ठ

६७ पृष्ठ

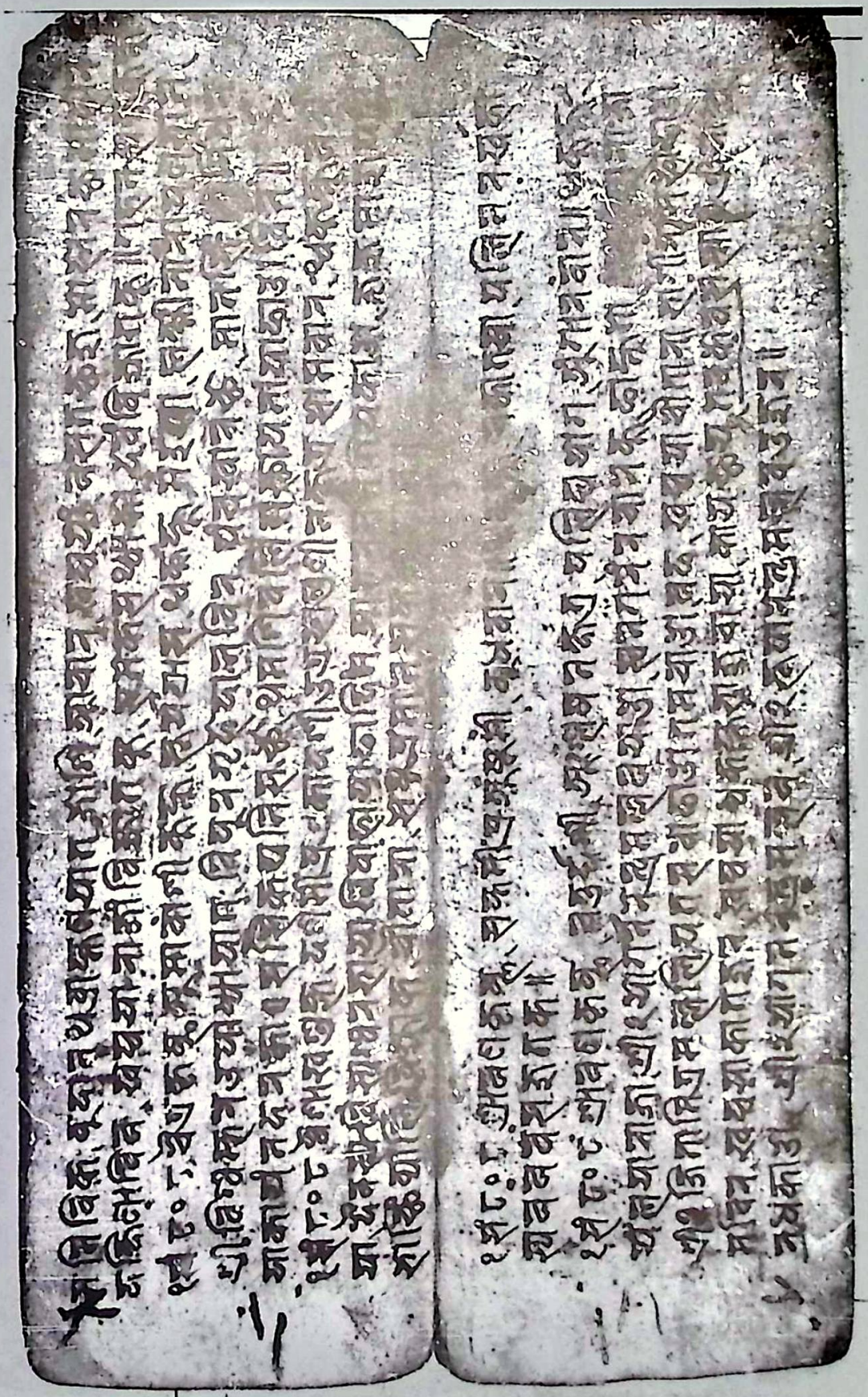

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

६८ पृष्ठ

६९ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

७० पृष्ठ

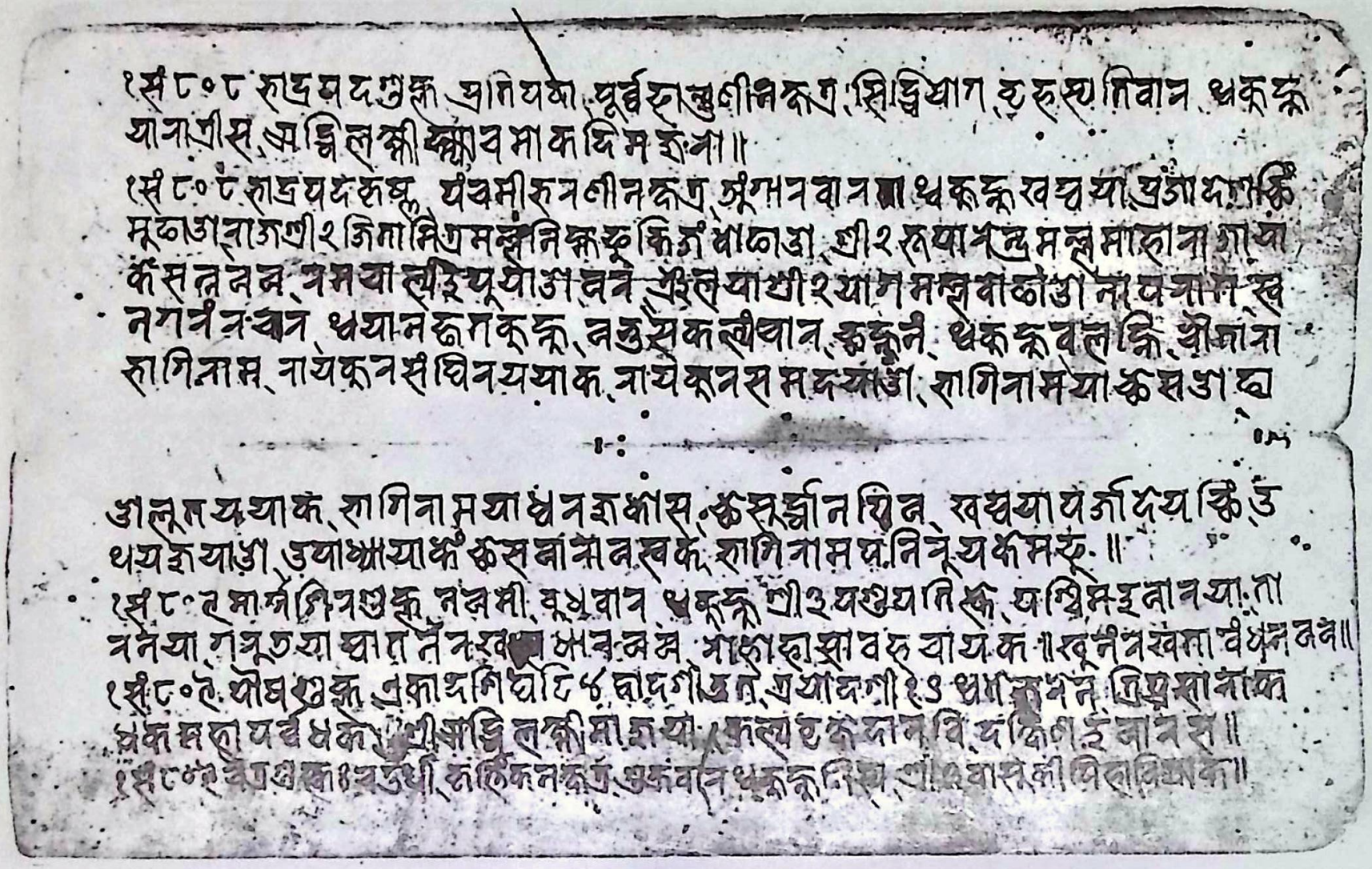

७१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

७२ पृष्ठ

७३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

७४ पृष्ठ

१सं ८०९ श्रावणशुक्ल एकादशी [illegible] बृहस्पतिवार ॥ [illegible] वाक्स [illegible]
[illegible]
[illegible]
१सं ८०९ श्रावणकृष्ण एकादशी बृहस्पतिवार [illegible]
[illegible]
१सं ८०९ रुद्रपदकृष्ण एकादशी [illegible]
[illegible]

१सं ८०९ आश्विनकृष्ण [illegible] शनैश्चरवार [illegible] पशुपतिस्क [illegible]
[illegible]
[illegible]
१सं ८०९ आश्विनकृष्ण एकादशी [illegible] पशुपतिस्क [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ स ८११ [illegible]

७५ पृष्ठ

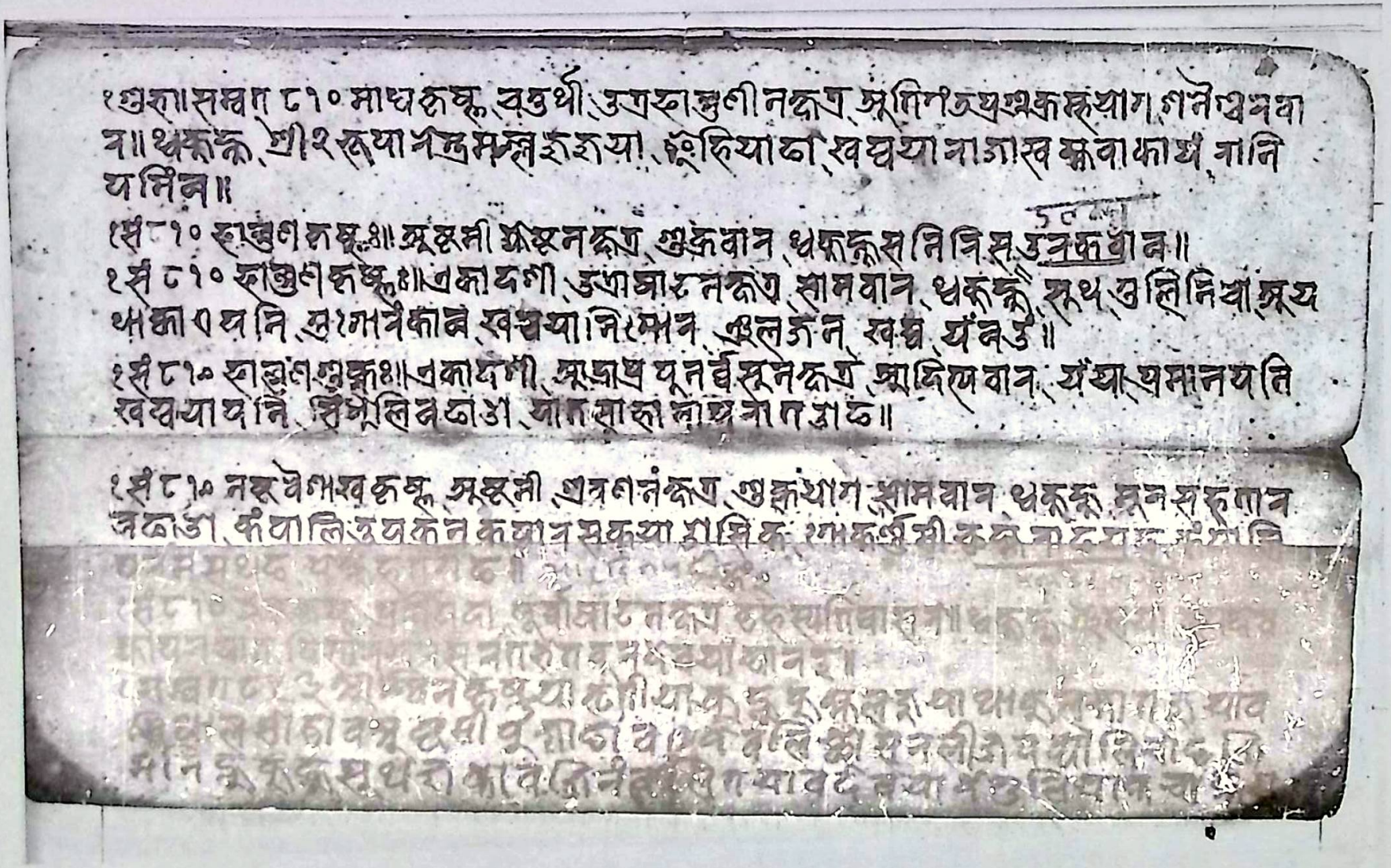

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

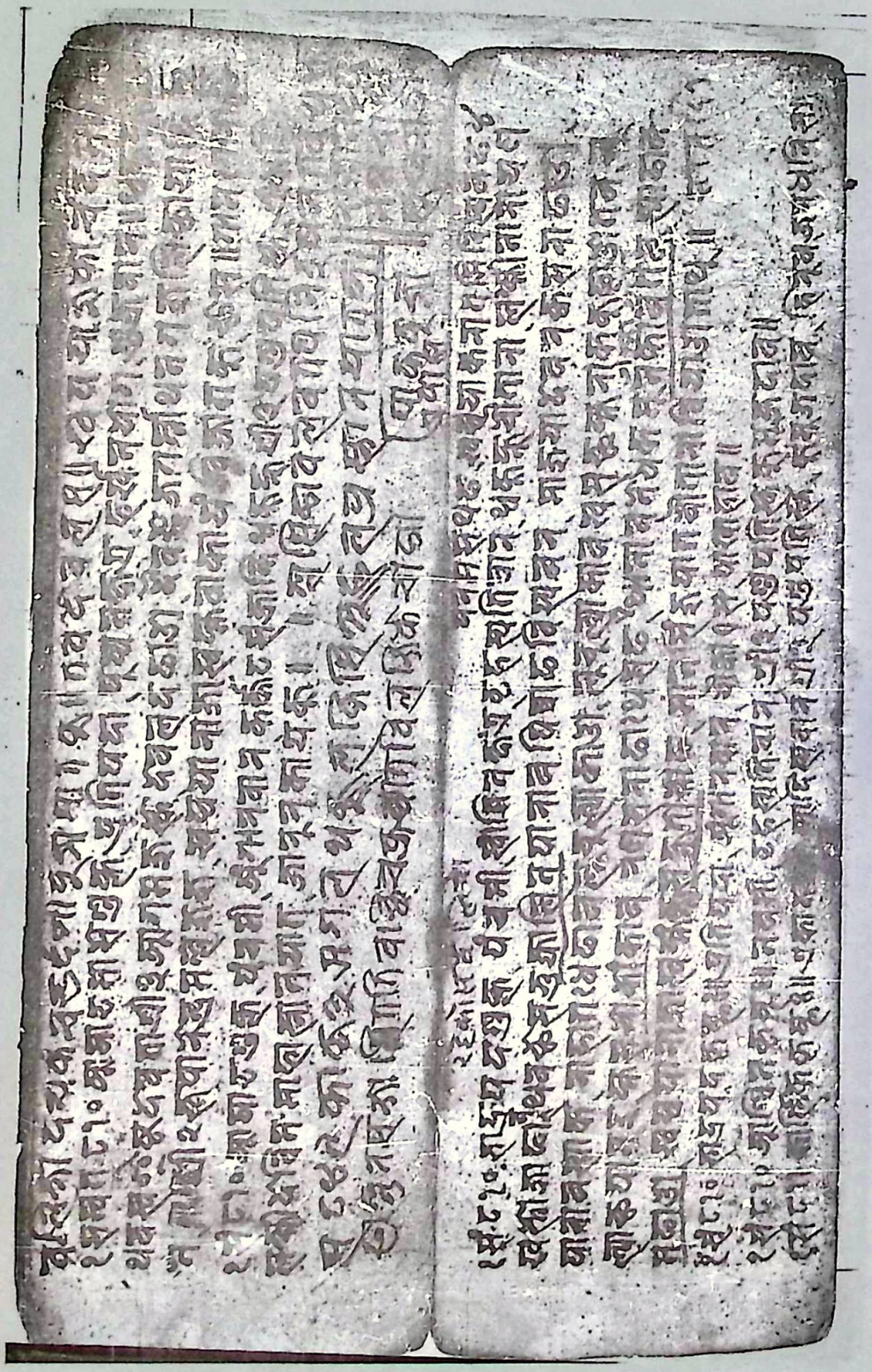

पृष्ठ ५७ पृष्ठ ५८

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

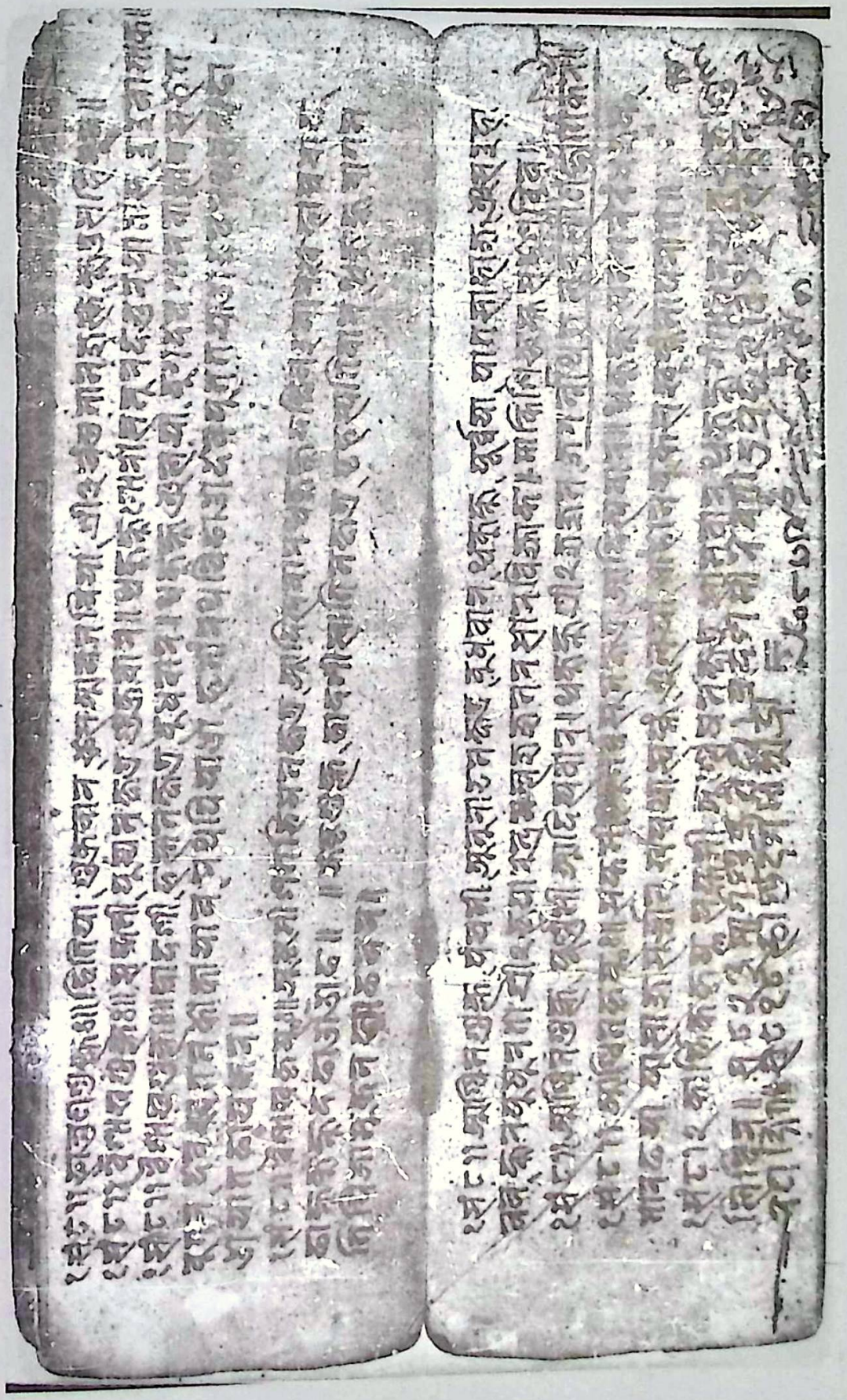

८० पृष्ठ

८१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

८२ पृष्ठ

१सं ८१२ कार्त्तिक कृष्ण ४॥ एकादशी हस्तनक्षत्र शुक्रवार धकुक्कु स्वनगर क्रूकानपूलि
हतानक्षा ढा ओलतोइ विद्याक विभाता ओनुजाका याक्कुलिवडान॥
१सं ८१२ माघकृष्ण ४॥ अमावासि शतभिषनक्षत्र शिवयाग आदित्यवार॥ धकुक्कु श्रीश्रीरूपा
रुद्रतल्लशङ्कयादिक्का कायादिन सूर्यपास याअंतुलिआढ गुरु विश्वम्भरउपाध्या॥
१सं ८१२ फाल्गुनकृष्ण ४॥ चतुर्थी स्वातिनक्षत्र बृहस्पतिवार॥ धकुक्कु श्रीश्रीरूपारुद्रमल्लशङ्क
या पनत ओहियाढादिन॥
१सं ८१२ आश्विनशुक्ल॥ षष्ठी पुष्यनक्षत्र पुष्यवार धकुक्कु [illegible] कर्णवादशमिदढ [illegible]
[illegible] याडा मनूज॥ यलसथखारमिनडा॥

१सं ८१३ [illegible] कृष्ण नवमी प्रदशमी मृगशिरनक्षत्र अंगारवार॥ धकुक्कु यात्री
स जगन्नाथशमाकदिन पुरमसथढ दवजानिशमिविस्यडाढ॥
१सं ८१३ भाद्रपदकृष्ण षष्ठी [illegible] नक्षत्र आदित्यवार॥ धकुक्कु स्वनगलंउ ज्ञया
डाचानन खद्यजनशिमाननीरताडामवियाडा ओलजन खद्यसबाकोरेडाढ य
नखद्यस [illegible] स्वक्कुलिव ओलयाकाम ज्ञरो॥
१सं ८१३ आश्विनकृष्ण॥ पंचमी मृगशिरनक्षत्र पलिघयाग सामवार॥ धकुक्कु
[illegible] याता [illegible] मूरचूकस मूतविर खद्ययाराजाडायाडा॥

८३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

८४ पृष्ठ

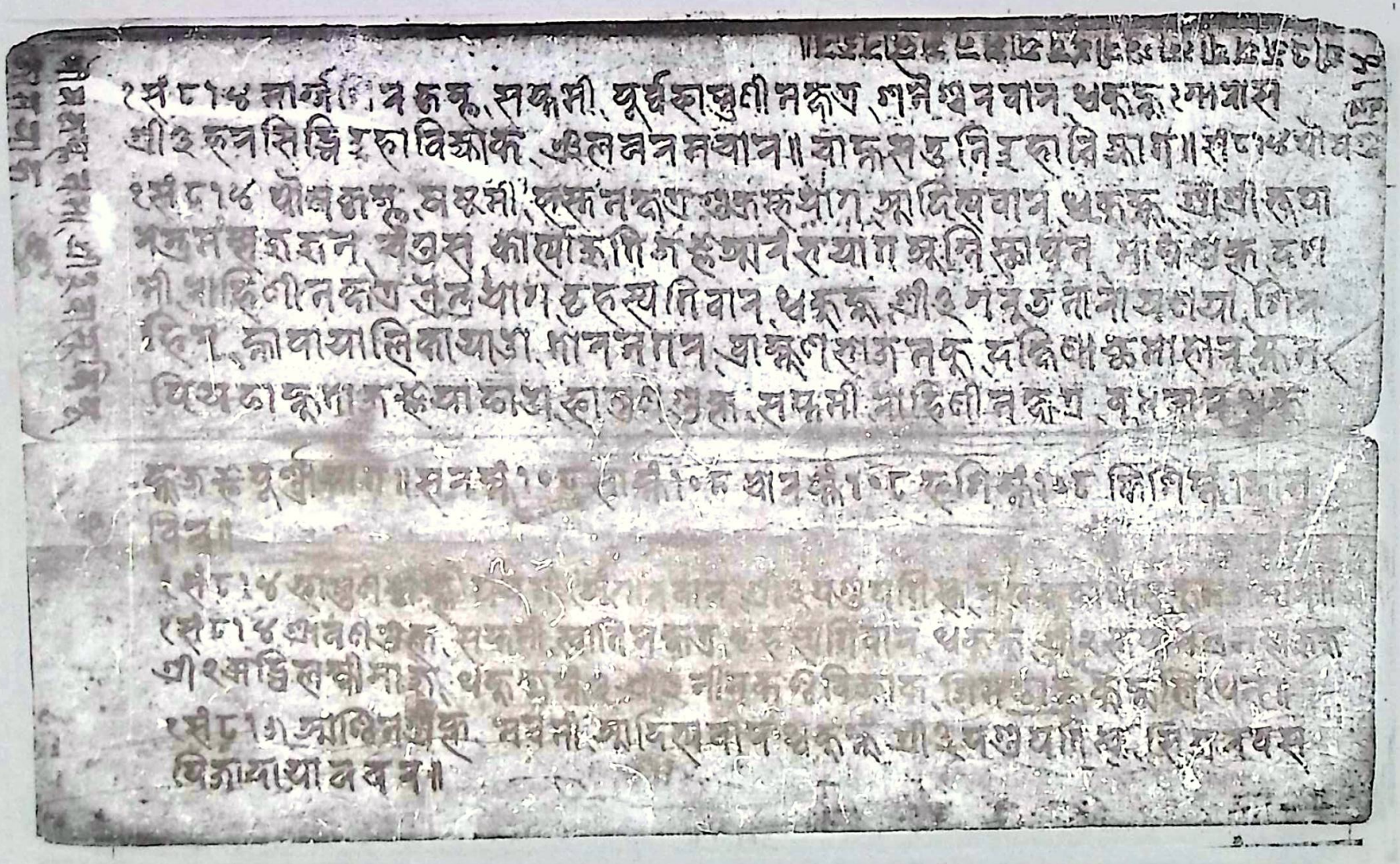

८५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

८६ पृष्ठ

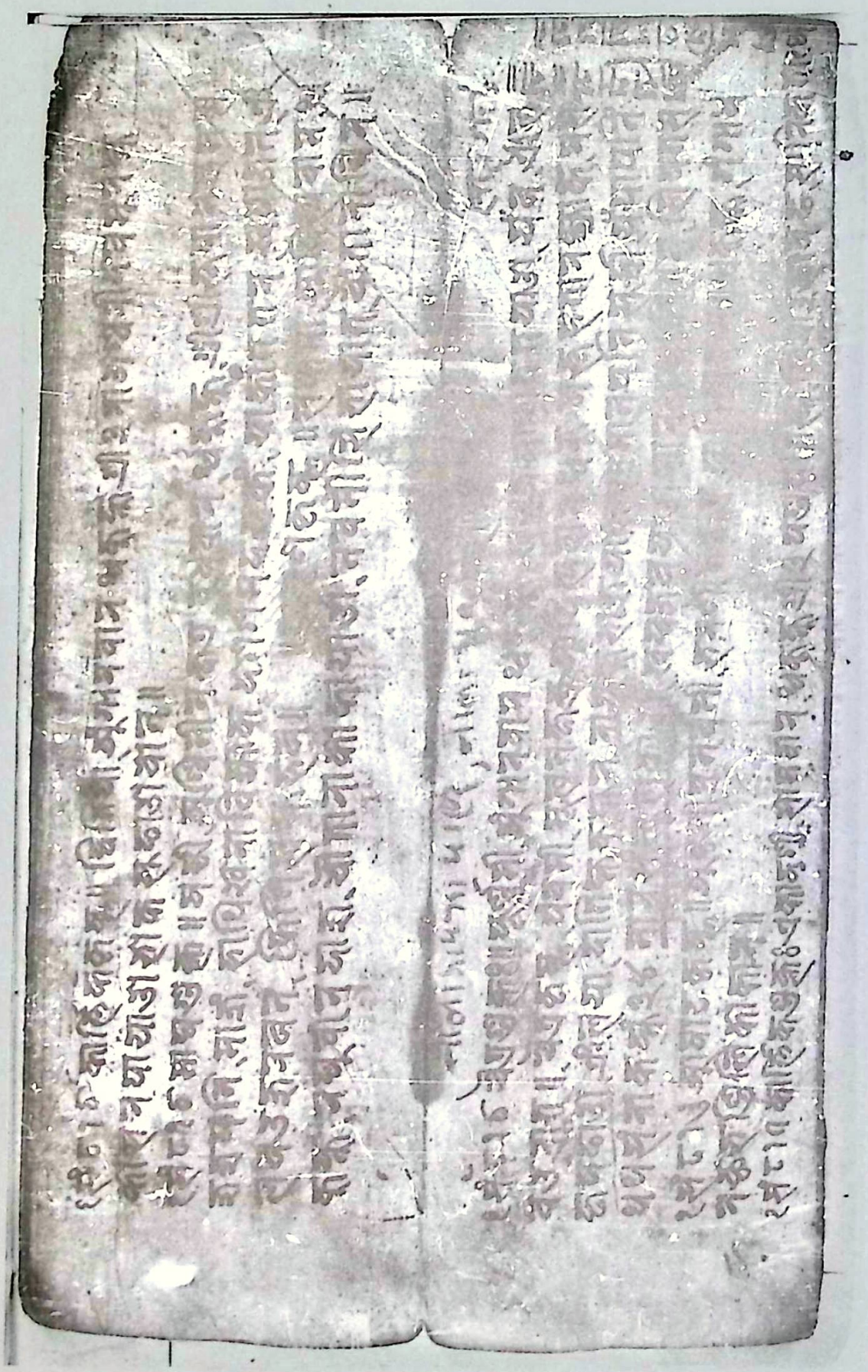

८७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

८८ पृष्ठ

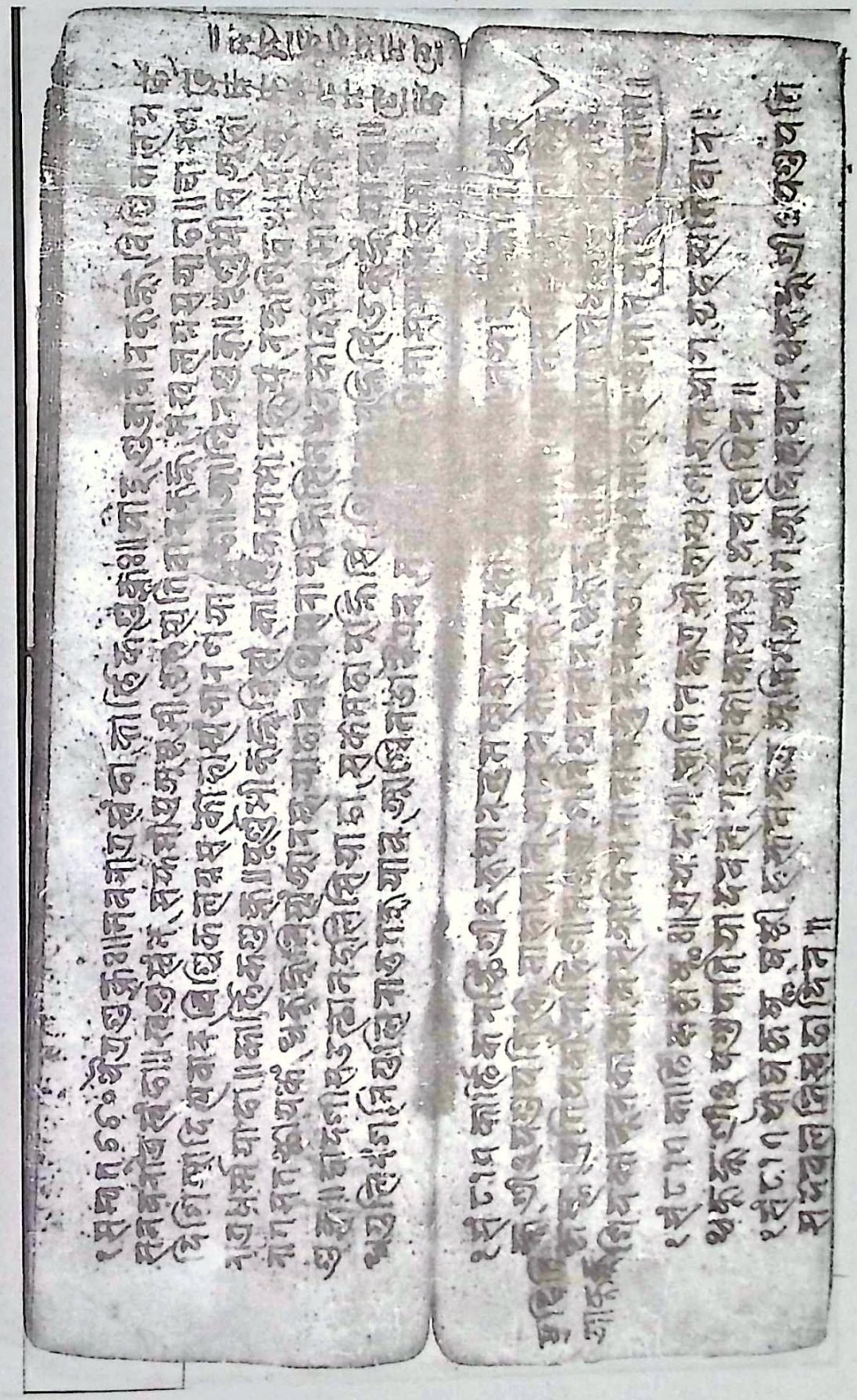

८९ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

९० पृष्ठ

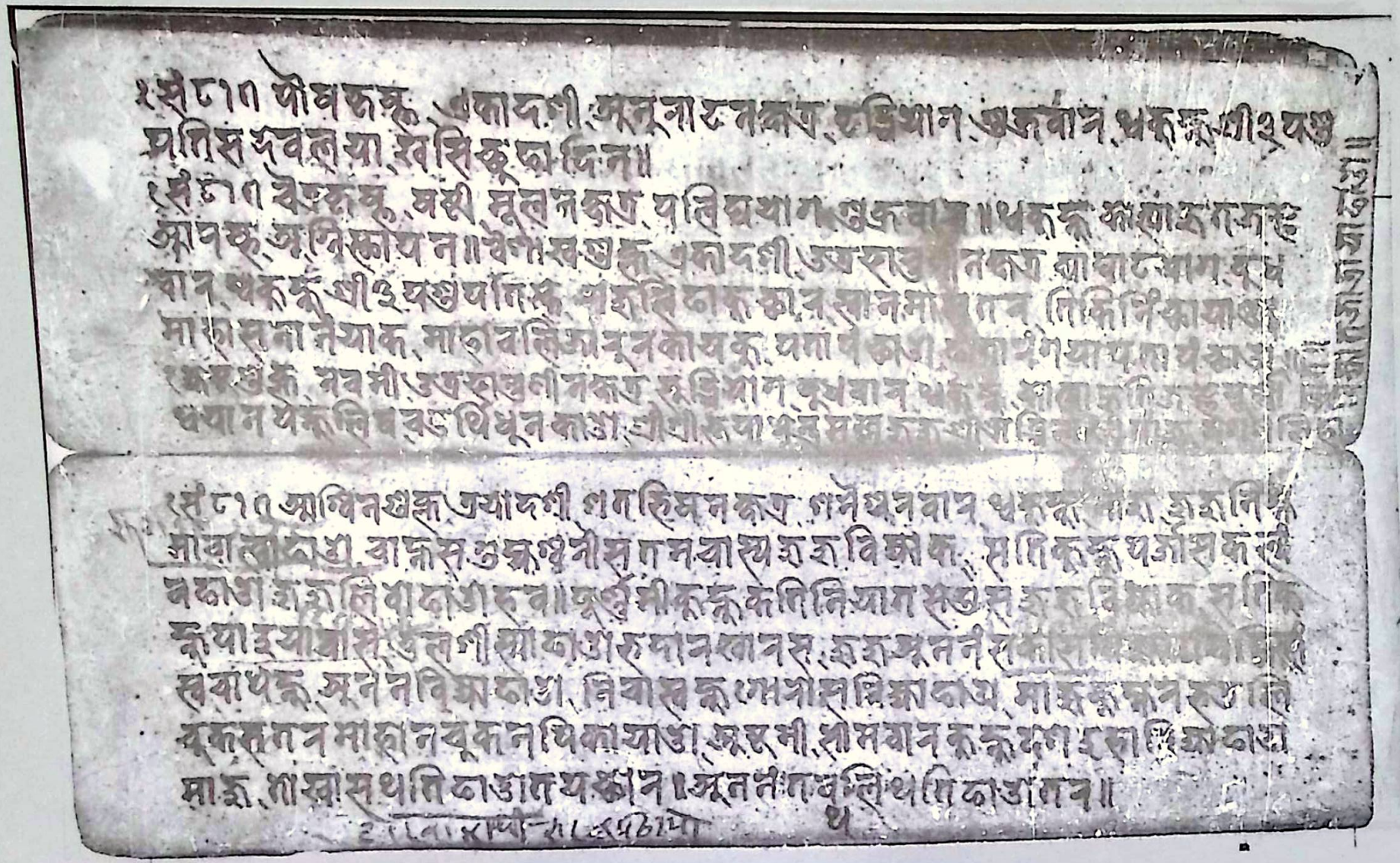

९१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

९२ पृष्ठ

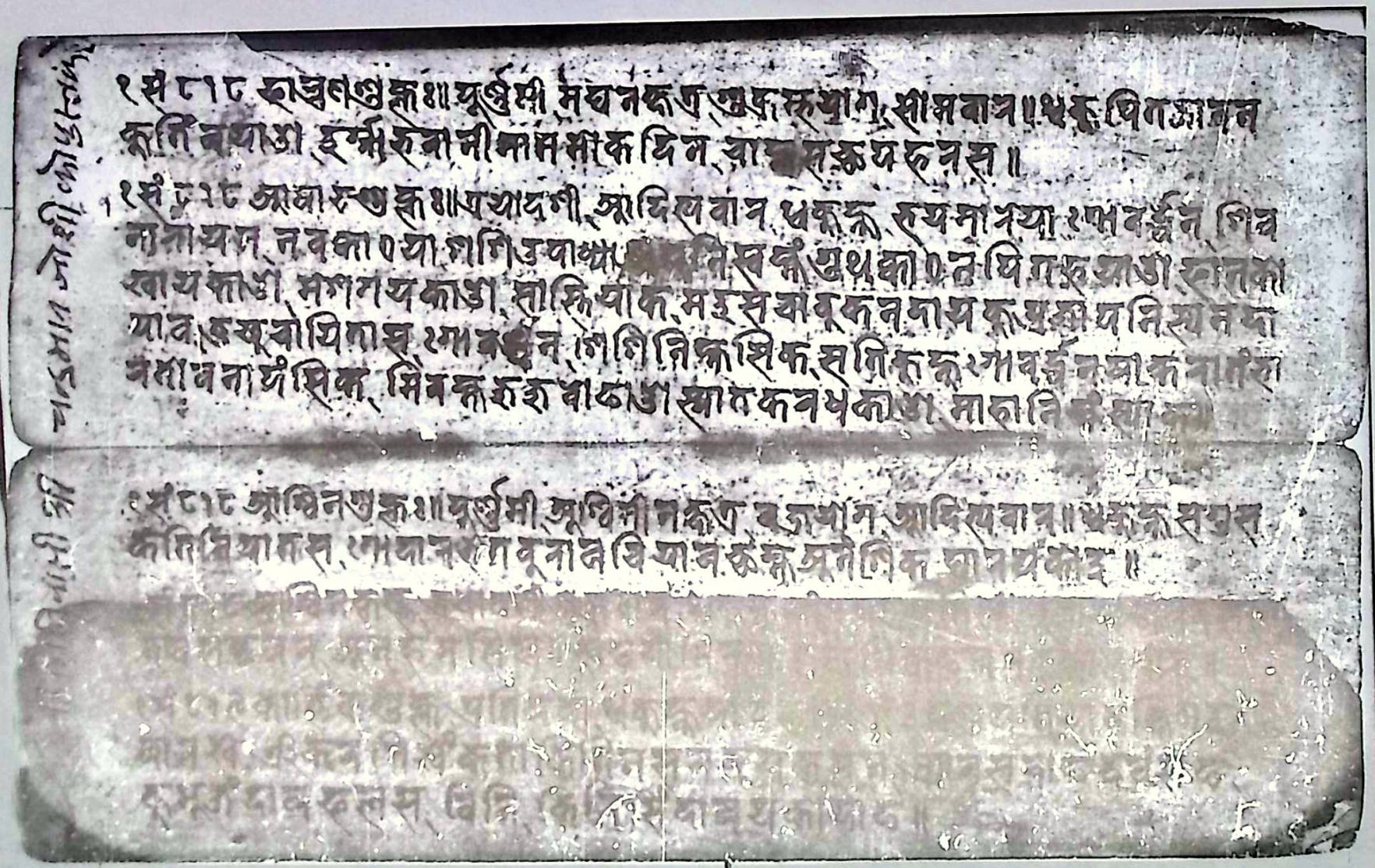

९३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

९४ पृष्ठ

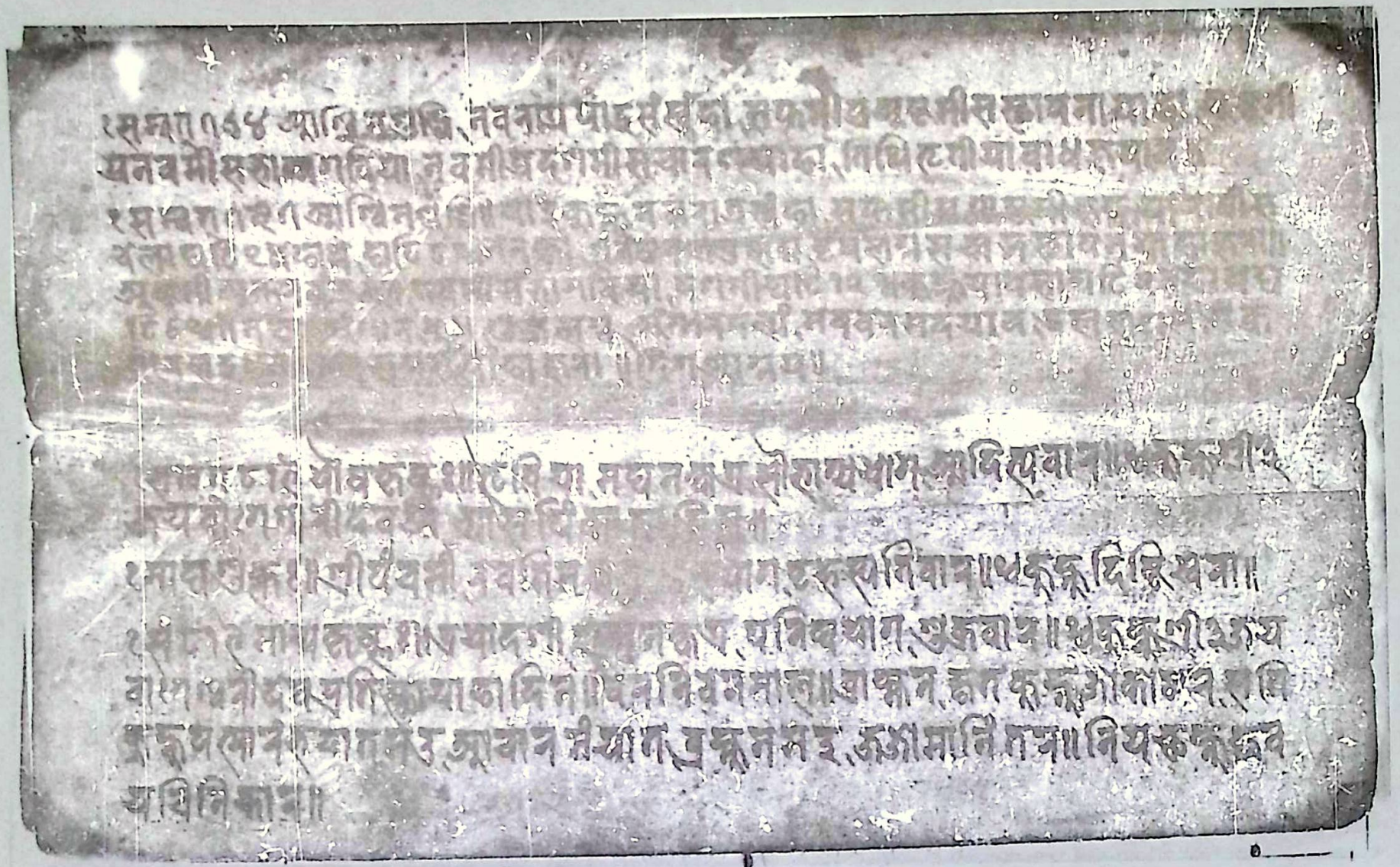

९५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

९६ पृष्ठ

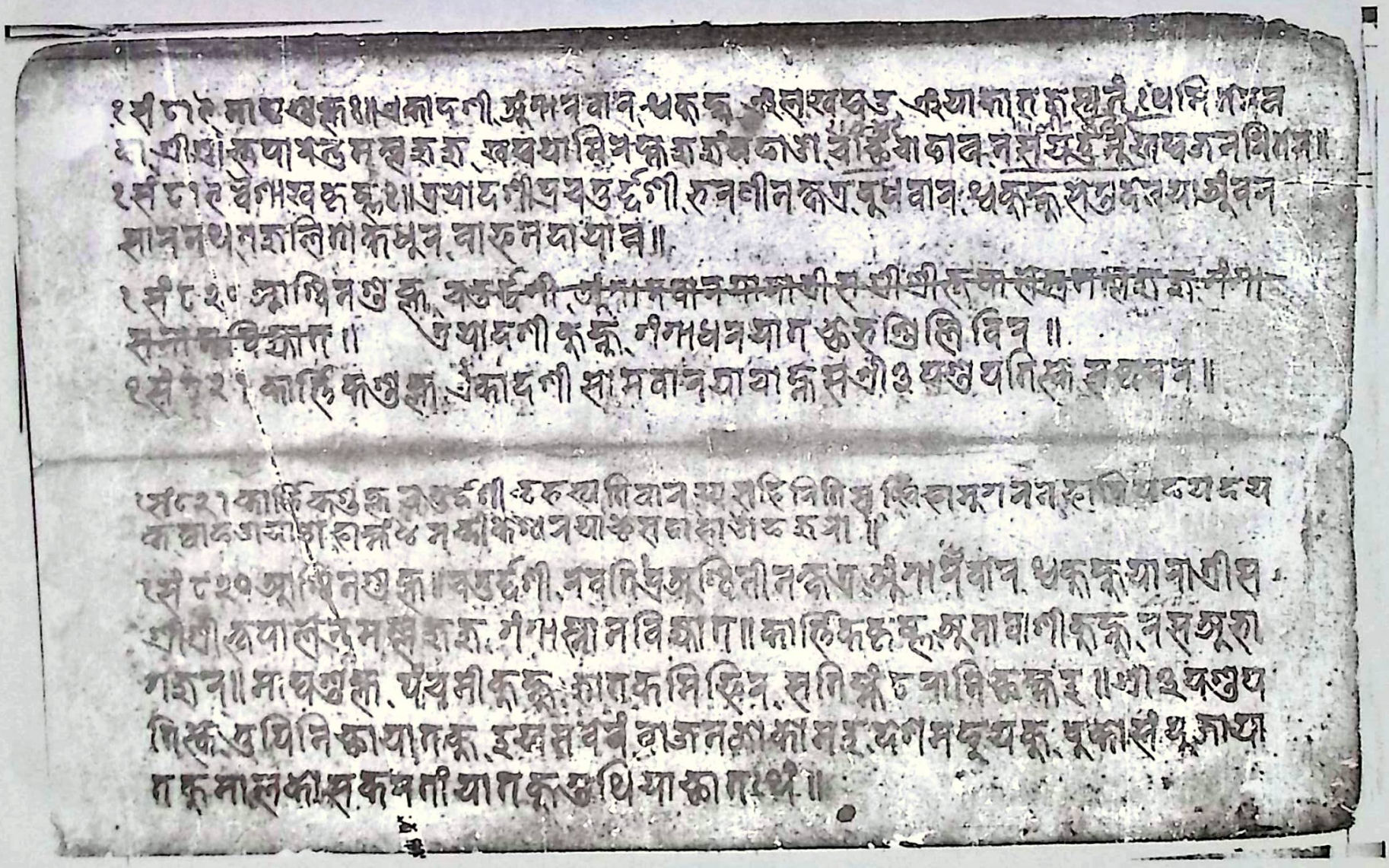

९७ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

९८ पृष्ठ

१सं ८२१ भाद्रपद शुक्ल ४॥ द्वादशी माधवयज्ञ [illegible] कादशी कृष्ण तम किर्मि स्वाहा,
द्वादशी कृष्ण मतस्थाय को, पूर्णिकृष्ण पितयाहा, कथन १ थे याहा॥
१सं ८२१ आश्विन शुक्ल ४॥ अष्टिकृष्ण विष्टि घटि १ विघटि ११ धनदेन, धनन
मस्थयाओ, छाग कृष्ण सप्तमी घटि ३२ विघटि २० धनहूट काओ, नाजीस घटि ८
वनकाओ घटि १३ उलल लग्न स, दव काहा विष्णा कर्म खंडस्वन॥ नवनाग स्वनं उ
लल नस चंद्र द्वादशी दलं, खिन चंद्र थूका, वलम इ धकयाहा स्थान इ धकयाग॥
नागाक मतस्थाय कं मजिन,

१सं ८२२ कार्तिक कृष्ण ४॥ नवमी पूर्व [illegible] विष्कम्भे याग, [illegible] तिवा
[illegible]
१सं ८२२ मार्गशिर शुक्ल ४॥ प्रतिपदा [illegible] बुधवार॥ [illegible]
[illegible] पलिन, काथू पलिन या खा [illegible] उत्तरवस॥
१सं ८२२ मार्गशिर शुक्ल ४॥ सप्तमी, [illegible] अंगारवासर॥ [illegible]
[illegible] हिलूर लख याग नस [illegible]॥

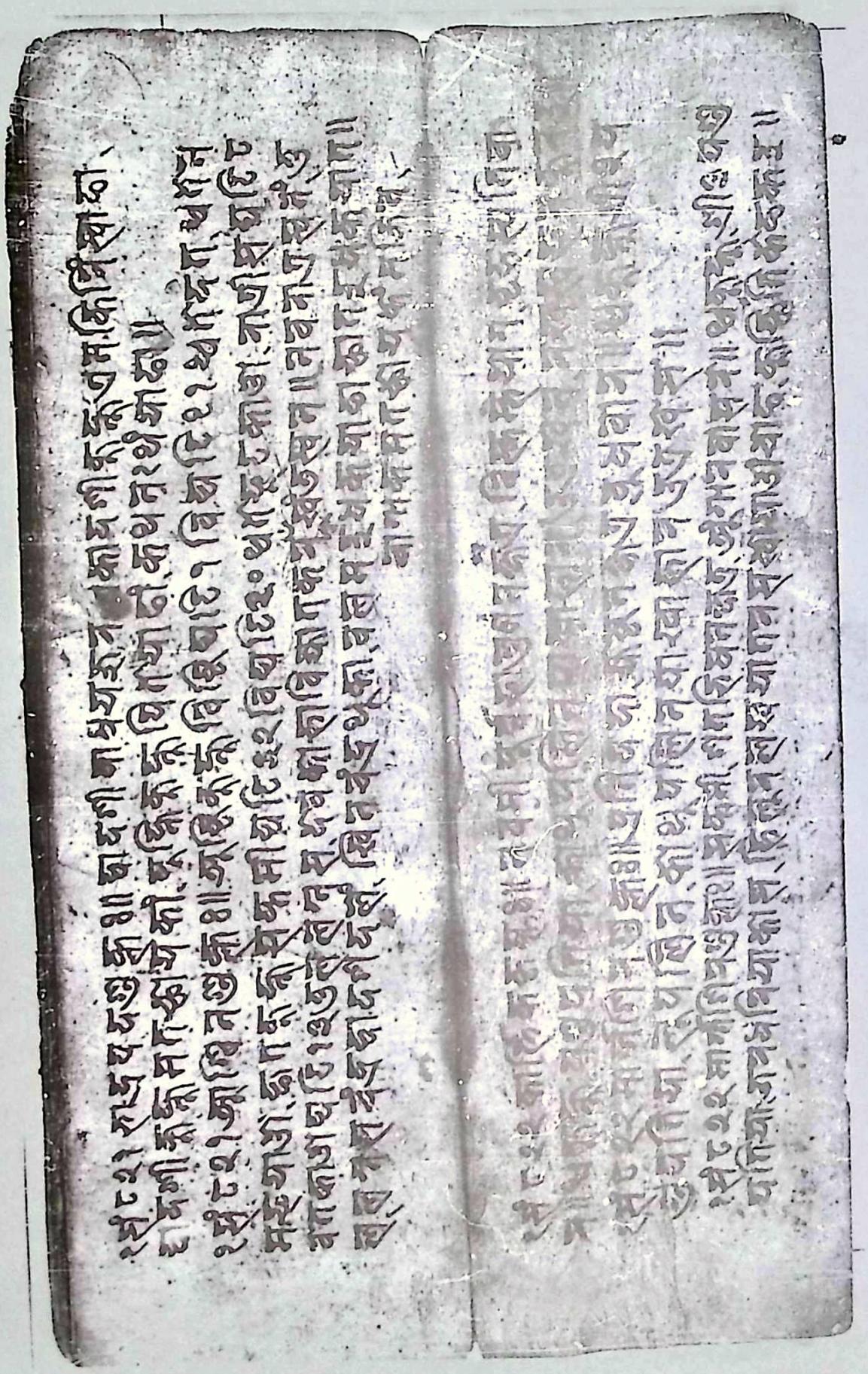

९९ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१०० पृष्ठ

१ सं ८२२ माघशुक्लः ॥ दशमी [illegible] ॥ धकुन्हु [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

१ सं ८२२ [illegible] ॥ चतुर्थी आदित्यवार ॥ धकुन्हु [illegible] ॥

१ सं ८२२ आश्विनशुक्लः ॥ द्वितिया [illegible] ॥ धकुन्हु [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
१ सं ८२२ आश्विनशुक्लः ॥ पंचिनमंगलयागया [illegible]
[illegible]
[illegible]
१ सं ८२३ माघशुक्लः ॥ एकादशी आदित्यवार धकुन्हु [illegible]
[illegible] ॥ माघशुक्लः ॥ द्वितिया [illegible]
[illegible] ॥

१०१ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

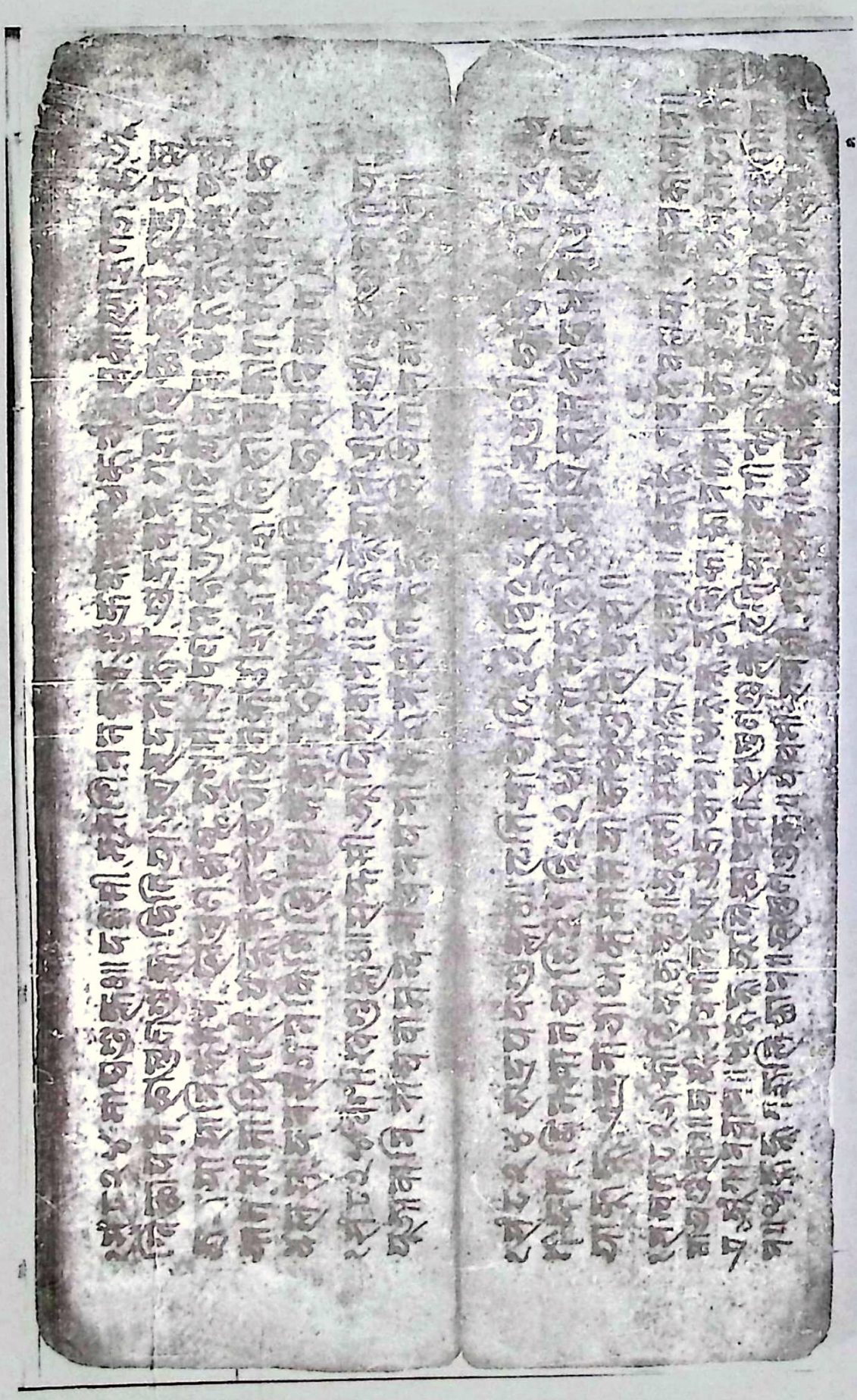

१०२ पृष्ठ

१०३ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१०४ पृष्ठ

१ सं ८२७ आश्विन शुक्ल ४॥ प्रतिपदा घटि १० धनिष्ठा नव नाम्नस्व ठा चंद्रवादस उलल्ल॥
१ सप्तमी घटि २२ धनिष्ठि ठाउ विष्टिवय काउ सृष्टिस दवक्क हा विज्ञान कर॥
१ दशमी घटि १२ धनिष्ठा विकल नस कीउ दल्यं यान नयान दवथा हा विज्ञा कर दक्षिण दिन॥
१ सं ८२७ रुद्र पद कृष्ण ४॥ सप्तमी रोहिणी नक्षत्र बुधवार थकुक्क आरुथा नाक्षत्र॥ सुव
[illegible] ओलयाशश चंगुस विज्ञान॥ स्वयाशश निक्षवा कार्य [illegible]॥
नारयाग [illegible] थनकथा नाया ढ वानकमकू मह निनं लिहामउ ओलयाशश चंगु

संचान मह निया कर्म्म माल काउ याध्यान याग कर॥ सं ८२७ कार्त्तिक शुक्ल ४॥ एका
दशी बुधवार थकुक्क श्री २ आगन रुद्रमल्ल ओलयाशश चंगुस अरुगाशश कुं मशव
मथन कथान आकाउ नवाक्क सं ओलयन सनि कुथ ठयन सनि उ ठक्कं ३३ माल का
सकनी माश शश विज्ञा ठाउ नाव वान कर॥ अरुगाशश कुक्कं चास थानाद ठाउ विस्यउ
[illegible] स्वधाउ ठानं यान [illegible] मकू [illegible]॥ अरुगाशयाउ थक्कुक चतुर्दशी [illegible]
[illegible] स्वधाउ [illegible] ठाउ [illegible] पूयाउ [illegible] ठाउ [illegible]

१०५ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

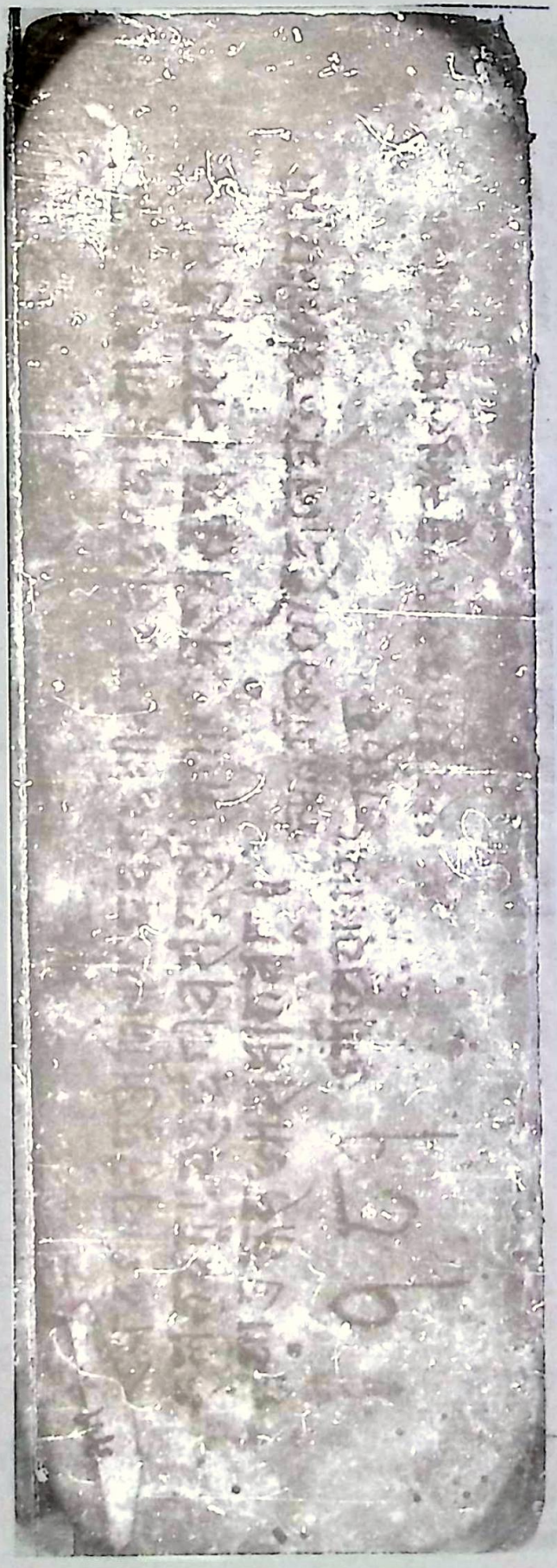

१०६ पृष्ठ

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

भद्रकालीमा रहेको जयप्रकाश मल्लका पालामा उनका मन्त्री ज्वरावरसिंहले राखेको वि.सं. १८०४ को शिलाभिलेख

– रामजी तेवारी, देवीप्रसाद भण्डारी, शङ्करमान राजवंशी

[यो लेख साफी रूपमा देवीप्रसाद भण्डारीको हस्ताक्षरमा छ। यो लेख भएको कापी लक्ष्मीपति-नयराज-सङ्ग्रहमा छ। वि.सं. २०१५ मा यस शिलापत्रको रबिङ लिने, पाठ पढ्ने र यसको तिथिमितिको गणना गर्ने काम भएको थियो भन्ने कुरा यही लेखबाट बुझिन्छ। यसको तिथिमितिको गणनाचाहिँ वि.सं. २०१७ मा देवीप्रसाद भण्डारीले गरेको कुरा पनि यही लेखबाट बुझिन्छ।

राष्ट्रिय अभिलेखालयमा रहेको रबिङको आधारमा पछि वि.सं. २०२७ मा यस शिलापत्रको अंश राष्ट्रिय अभिलेखालयद्वारा प्रकाशित, शङ्करमान राजवंशीको *कान्तिपुर-शिलालेख-सूची* (१६१ पृष्ठ)मा छापियो। यस शिलापत्रको पूरा पाठ कहीं पनि छापिएको नदेखिएकोले वि.सं. २०१५ मा पढिएको पाठ, त्यसै वेला लिइएको रबिङको फ्याक्सिमिलि र वि.सं. २०१७ मा गरिएको गणनासहित यहाँ प्रकाश गरिएको छ।

रबिङसँग रुजू गर्दा पाठ कहीं कहीं मूलअनुसारको नभएको देखिएकोले जहाँ जहाँ पाठ मूलअनुसारको छैन, त्यहाँ त्यहाँ मूलअनुसारको पाठ जति तल टिप्पणीमा दिइएको छ। मूलमा दाताको नाउँ **जोरावरसिंह** (११ पङ्क्ति) हुँदा हुँदै पनि यस लेखको शीर्षकमा यस शिलापत्रका सम्पादकहरूले **ज्वरावरसिंह** लेखेको देख्दा यहाँ पनि ध्वनिपरिवर्तन हुन गएको देखिएको छ।

पहिलो **च्छागबलि** (१४ पङ्क्ति) अर्थात् **बोकाको बलिको** अगाडि, दोस्रो **रोपनिकं** (१६ पङ्क्ति) अर्थात् **रोपनीको** अगाडि, तेस्रो **रो** (१९ पङ्क्ति) अर्थात् **रोपनीको** पछाडि र चौथो **फं** (२६ पङ्क्ति) अर्थात् **पाथीको** पछाडि गरी यस शिलापत्रमा ४ पटक केही ठाउँ छोडिएको छ। पहिलोमा के कुँद्नको लागि ठाउँ छोडिएको हो भन्ने कुरा त्यति स्पष्ट नभए पनि बाँकी ३ वटामा चाहिँ कति रोपनी वा कति पाथी भनी खुलाउने अङ्क हाल्न बाँकी रहेको स्पष्ट छ।]

१. ❀ स्वस्ति ॥ ॐ अद्य[1] ब्रह्मणो द्वितीयपरार्द्धे श्व्येतवराहकल्पै वैवस्वतमन्व
२. न्तरे[2] अष्टाविंशतितमे चतुर्युगस्य कलेः प्रथमपादे जम्बूद्वीपे भरतखण्डे भारतवर्षे आर्य्यावर्त्तदेशे
३. हिमवद्दक्षिनपादे नेपारमंदर[3] वासुकीक्षेत्रे[4] श्री २ पशुपतिसन्निधाने[5] श्रीवाग्मत्याः पश्चिमकूले श्रीवि
४. ष्णुमत्याः पूर्व्वकूले श्रीमत्कान्तिपुलिमहानगरे श्री २ यमलेश्वरभट्टारकस्थाने इहैव पूण्य[6]भूमौ ॥ ॐ अ
५. द्य यष्टमासे कृष्णपक्षे सप्तम्यान्तिथौ[7] उत्तरभाद्रनक्षत्रे शोभमयोगे यथाकरणमुहूतरे बृहस्पतिवासरे
६. मिथुन[8]राशिगते सवितरि मीनराशिगते चन्द्रमसि य्यथास्थानावस्थितभौमादि[9]ग्रहकरणमुहूर्त्तकां
७. शकेषु एवंविशेषेण विशिष्ठायां पुण्यतिथौ। स्वस्ति श्रीमत्पशुपतिचरणकमलधूलिधूसरितशिरोरुह
८. श्रीमन्मानेश्वरीष्टदेवतावरलब्धप्रसाददेदिप्यमानमानोन्नतरघुवंशावताररविकुलतिलकहनू
९. मद्भुजनेपालेश्वरनिजेष्टदेवदेवेश्वरीकृपाकटाक्षवलितविक्रमोपार्जित[10]वारणाकरसमुद्भूतगजेन्द्र
१०. पतिश्री २ जयजयप्रकाशमल्लदेवानां सदा समरविजयिनां विजयराज्ये स्थानस्य पूर्व्वदिशि ओतुतोल

---

१. अर्द्य। २. न्तरे ‸। ३. °मंदर ‸। ४. °क्षेत्रे ‸। ५. °सन्निधाने ‸। ६. पुण्य°। ७. सप्तम्यां तिथौ। ८. मिथ्वन°। ९. °भौमदि°। १०. °पार्ज्जित°।

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

११. हितिचोगृहवास्तव्यश्री २ जयप्रकाशमल्लदेवस्य अमात्यश्रीजोरावरसिंहरायवर्म्मणा स्वमातृकौसिल्या
१२. पितृष्वसृमधूरवानी ज्येष्ठपत्नी सुलक्षणी कनिष्ठपत्नी सुवचनी परिवारसहितेन महाभारतांतर्गत
१३. दानधर्म्मोक्तविष्णुधर्म्मोक्तशिवधर्म्मोक्तफलप्राप्तिपूर्व्वक[११]स्वर्गलोकप्राप्तिकामनया श्री ३ रुमधिकालि
१४. काभैरवीप्रीत्यर्थं तत्स्थाने धर्म्मसाला कृत्ता। तस्यार्थे वर्षवर्धनहोमं कारयितुं च्छागबलिस-
१५. हितपंचोपचारपूजां कारयितुं ॥ फाल्गुणकृष्णचतुर्द्दश्यां[१२] च्छागबलिसहितपंचोपचारपूजां कारयितुं
१६. रात्रौ दीपमालां प्रज्वालयितुं इबु रोपनिकं क्षत्रं संप्रदत्तं ॥ अनेन पुण्येन पुत्रपौत्रसंततिजनगृ
१७. हक्षेत्राश्वगोमहिषादिपशुदासदासीसुवर्ण्णधिष्टलोहरत्नादि सर्व्वकालं लक्ष्मीवृद्धिरस्तु ॥ लोकांत
१८. रे श्री ३ कालिकादेवतालोकप्राप्तिरस्तु। अतः परं देशभाखा स्थानस्य पश्चिमदिशि प्रदेशे यथाचात्रा
१९. घाटमध्य इबु दसाहार धरं पिता[१३] वारिस्या बु रो श्वते बुया ओरसान[१४] दओ थें वर्षप्रतिं हनेमाल
२०. ज्येष्ठकृष्णसप्तमी कुह्नु श्री ३ रुमधि भैरवी देवीस्के दुगु ह्मं १ मालको सामा दयकं पंचोपचालपू
२१. जा यायमाल ॥ वर्षवर्धनहोम यायमाल ॥ फाल्गुनकृष्णचतुर्दशि[१५] कुह्नु दुगु ह्मं १ मालको सामग्रि द
२२. यकाओ पंचोपचालपूजा यायमाल ॥ रात्रिस चाकार[१६]मत छोयकेमाल मतप्वात १२० देवस्के ॥ फले
२३. स खादरुत मतप्वात २५ चेकन फं ५ श्वतेन चाओ थें मत छोयकेमाल ॥ पितेयात बजि फं ५ सिया
२४. बजि फं ४ यरमधि फं १ थलि फं ३ साखति फं ३ चाकुया[१७] छोयरा राता रा ४ डा कु १ म्वात कु १ घासा
२५. ता ४ लिं पारु कयगुफोया फं १ श्वते पिते ॥ देव दुहा बिज्याय्[१८] कुह्नु छे ह्नुओने[१९] पूजा यायमाल ॥ श्वते ह
२६. डा नि गुथिजनपनिस्यन भक्षाभोजन यायमाल ॥ सेह्लो यातके फं तया ॥ श्वपतिभाखा थें पानंपा-
२७. र[२०] वर्षप्रति[२१] निष्टरपेमाल । श्वपतिभाखा थें ग्वह्मस्यन छित्र याङ महंकाले पंचमहापातक राक
२८. जुरो श्वपतिभाखा थें हनसा[२२] अंनिग्रह उत्तरोत्तर फर राक जुरो अत्र पत्रार्थे दृष्टसाक्षि[२३] यावच्चन्द्रा-
२९. र्क्कमेदिनी ॥

स्वदत्तां परदत्तां वा[२४] ये हरन्ति वसुंधरां[२५]
षष्टीवर्षसहस्रानि[२६] विष्टायां जायते कृमिः

३०. ॥

भुय ह्नाय पे[२७] बु रो ३ भुय थापा बु रो ३ भुय चामालपुखलकुं बु रो २ भुय तोखा बु ह्म १[२८] :॥११

३१. सम्वत् ८६७ ज्येष्ठकृष्ण ७ ॥

वि.सं. २०१५ आषाढमा पं. श्रीनयराज पन्तको प्रेरणाबाट रामजी तेवारी, देवीप्रसाद भण्डारी, शङ्करमान राजवंशीहरूले यो अभिलेख ल्याएका हुन्।

---

११. °पूर्वक° । १२. °चतुर्द्दश्यां । । १३. यिता । १४. ओरसानन । १५. °चतुर्द्दशि । १६. चाकर° । १७. चाकुया । ।
१८. बिज्यायु । १९. ह्नडओने । २०. पारंपार । २१. व्रर्षप्रतिं । २२. हनसा । । २३. दृष्टसाक्षि । । २४. वा । ।
२५. वसुंधरा । । २६. °सहस्रानि । । २७. पेपा । २८. कर्म ?

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

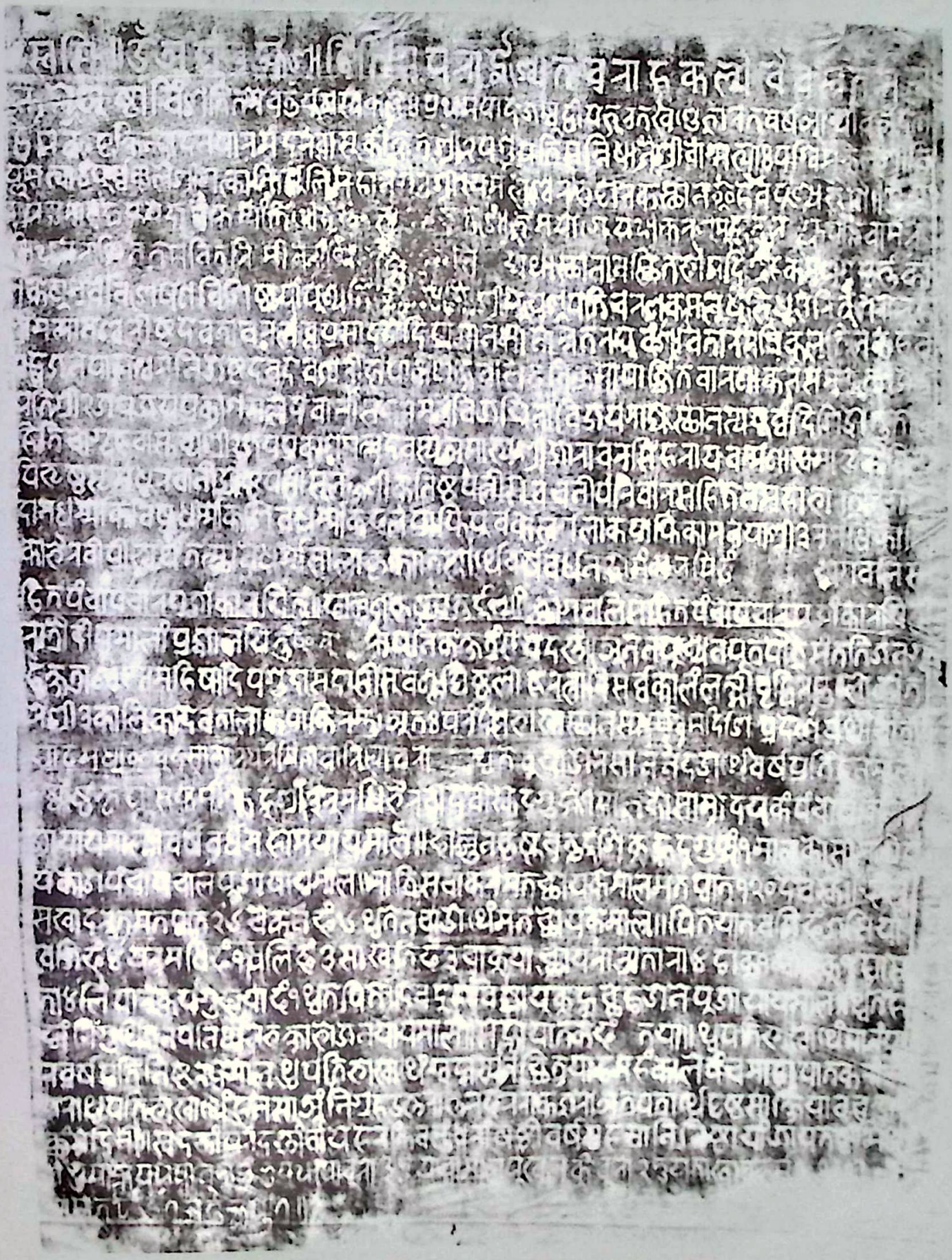

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

ने.सं. ८६७ (वि.सं. १८०४) ज्येष्ठकृष्ण ७ सप्तमी
उत्तराभाद्रनक्षत्र शोभनयोग बृहस्पतिवारका दिनको पञ्चाङ्गगणना

ग.मा. ग.ति.	वर्ष	तिथि	वार	चन्द्रकेन्द्र	रविकेन्द्र	नक्षत्र
२x३०+२२	१८००	२५	३। ५।१४	५।८.५	११।२८.४	२२।३००.९
=६०+२२=८२	४	१४	४।४६।४७	०।५.१	११।२९.७	१२।४६४.९
८२-३=७९ ति.ग.	१८०४	९	०।५२। १	५।१३.६	११।२८.१	७।७६५.८
१८०४-१३५	०	२४	४। १।२७	६।१०.४	९।१४.५	२१।६३४.९
=१६६९ शा.	१८०४	३	४।५३।२८	११।२४.०	९।१२.६	२।६००.७
- ४४४		७९	०।४५।४९	९।२५.९	२।१६.६	२२।६७८.७
१२२५।२०	१८०४	८२	५।३९।१७	९।१९.९	११।२९.२	२५।४७९.४
१२००						
२५						
२०।२५ अय.						
१.८x९ = १.६२						
२८५.१						
-१.६२						
२८३.४८ ऋ.						
चं.फ.						
२.३x.२=४.६						
२.३-४.६						
=१.८४ ध.						
स.फा.ध.						
७६७						
५७						
७१०						
८२४						

२८३.४८ चं.फ.ऋ.
- १.८४ सू.फ.ध.
२८१.६४x६०
७१०)१६८९८.४(२३.८
१४२० २३।४८
२६९८
२१३० ति.फ.ऋ.
५६८४
५६८०
४
११।२९।१२।० सू.के.
२।१८।उच्च १।५० र.फ.ध.
२०। २५। अयनांशा
३। ७। ३८।५०
सायनसूर्य
२।१७।१३।५० मं.स्प.सू.
+२।७ चर धन
२।१७।१५।५७ स्प.सू.

२०.५ च.फ.ध.
x६.२ पलभा
४१०
१२३०
१२७.१०
-.३ भु.
१२६.८

५।३९।१७ मध्यमवारादि
-२३।४८ ति.प.ऋ.
५।१५।२९ मं.स्प.वार
+ ३।१६ त्रि.सं.ध.
५।१८।४५ स्पष्टवारादि
ज्येष्ठकृष्णसप्तमीसमाप्तिकाल

२।७
१।९ देशान्तर
३।१६
त्रिफलसं. धन

२।१७।१५।५७
स्पष्टसूर्य

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

नक्षत्रगणना

२५।४७९.४ भुक्तकला ऋण
३२०.६ भोग्यकला धन
- २८३.४८ चं.मं.फ. ऋण
धनशेष ३७.१२x६०
७६७)२२२७.२(२.९
१५३४ २।५४
६९३२ न.प.ध.
६९०३
२९

५।३९।१७ मध्यमवारादि
+ २।५४ न.प.ध.
५।४२।११ म.स्प.वारादि
+ ३।१६ त्रि.सं.ध.
५।४५।२७ स्पष्टवारादि

उत्तराभाद्रनक्षत्रसमाप्तिकाल

योगगणना

२५।४७९.४
२००००
२०४७९.४x२
४०९५८.८
-१५८४०
८००)२५११८.८(३१
२४०० -२७
१११८ ४ सौभाग्य
८००
४।३१८.८ योग ध्रुव
४।३१८.८ भु.क.ऋ.
४८१.२ भो.क.ध.
-१.८४ सू.फ.ध.
४७९.३६
+ २८३.४८ चं.फ.ऋ.
१९५.८८

७२०
x२२
१४४०
१४४०
१५८४०

१९५.८८x६०
८२४)११७५२.८(१४.२६
८२४
३५१२ १४।१६ यो.प.ध.
३२९६
२१६८
१६४८
५२००
४९४४
२५६

५।३९।१७ मध्यमवारादि
+ १४।१६ यो.प.ध.
५।५३।३३ म.स्प.वा.
+ ३।१६ त्रि.सं.ध.
५।५६।४९ स्पष्टवारादि
शोभनयोगसमाप्तिकाल

विक्रमसंवत् १८०४ शाके १६६९ ने.सं. ८६७ ज्येष्ठकृष्णपक्ष

तिथि	वार	घ. प.	नक्षत्र	घ. प.	योग	घ. प.	सूर्य
२२	बृहस्पति	१८।४५	उ.भा.	४५।२७	शोभन	५६।४९	२।१७।१५।५७

२०१७ आषाढ १७ गते बृहस्पतिवारका दिन दिनभर वसी यो गणना देवीप्रसाद भण्डारीले गरेका हुन्।

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पररा‌ष्ट्रमन्त्रालयमा रहेका २ पत्र

– महेशराज पन्त

१ सङ्ख्या

सुब्बा ब्रजलाल उपाध्यायले गर्ने कामको सवाल

सुब्बा ब्रजलाल उपाध्यायलाई रौतहटमा बसी काज गर्ने सवालको मसौदा पररा‌ष्ट्रमन्त्रालयमा छ। त्यसै-बाट यो सारिएको हो। कुन पोकामा यो पत्र राखिएको छ भन्ने कुरा यो सार्दा टिपिएनछ।

मूलपाठ

श्रीदुर्गाज्यू ७

१. स्वस्ति श्रीगिरिराजचक्रचूडामणिनरनारायणेत्यादिविविधविरुदावलीवीराजमानमानोन्नतश्रीमन्महाराजा-
२. धिराजश्रीश्रीश्रीमहाराजेगिर्वाणयुद्धविक्रमसाहबहादुरसम्सेरजङ्गदेवानाम् सदा समरविजयीनाम् - - - -
३. आगे सुबा व्रजलाल पाध्याके प्रगन्ना गढी सिमरौन तप्पा रौतहटमा बसी काज गर्नाको सवाल गरिबक्स्यौ
४. सवालबमोजीम मोफसलमा जाई काज गर -

<u>सवालको तपसिल</u>

५. पहिला सवाल कतैवाट वैरी चह्री साध चापन आया जाहा साधी नभ्यान्या भया सिबंन्दी सीपाही राषी वैरी
६. हटाउनु मुलुक थामनु वैरि हटाएपछि सिपाहीका तलब दी बरषास गरिदिनु तेस्मा लाग्याको षर्च इहा बी-
७. न्ति गरि पठाउनु मोनासीब बुझी मोजरा बक्सौला - १
८. दोश्रा सवाल येकसठि सालका बालीदेषी कसैलाइ बीर्ता जागिर बेषबुन्यादि मानाचावल बक्स्यादेषी चौध-
९. रि कानुगोयेका दसषती जायदाती ज्मा पहिला सालबमोजीम सालवसाल मोजरा बक्सौला - - - - २
१०. तेश्रा सवाल हाम्रो बंन्या मुलुक जामन्या तीमीलाइ जस हुन्या कुरो बिन्ति गरि पठाउनु मोनासीब हेरि
११. मोहर गरिबक्सौला - ३
१२. चौथा सवाल मोफसलका रैती ज्मीदार माहालदार मोकदम जागिरदार बीर्तावारहरुले तिम्रो नालि-
१३. स गर्न आया येकहरो कुरा सुनेनन् दोहोरा कुरा सुनी कायेल हुन्यालाइ तक्सीरबमोजीम तबीह गरौला - ४
१४. पाचमा सवाल कसैले षुन चोरि गोवध कुलबीराव गर्‍यादेषी ताहां अदालतमा जोरी कायेल हुन्या-

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१५. लाई नीसाफका राहले तक्सीरबमोजीम डंडसासना गर्नु ---------- ५
१६. छठमा सवाल कोइ अंगरेज नबाब राजाका वकील भलामानीस सर्कारिआ केही काजले सरहदमा
१७. आया मेजमानी दिनु दियाका सरसौगात हाम्रा हजुर दाषिल गर्नु मेजमानीबिदाइको षर्च मोनासी-
१८. ब बुझि मोजरा बक्सौला ---------- ६
१९. सातमा सवाल बीर्ता जागिर बेषबुन्यादिमा कसैले रैकरको जमीन कसैले साध चाप्याको भया चौ-
२०. धरी कानुगोये जैवार राषी कायेल गरी रैकरको निस्क्याको जमिन रैकरमा लाईदिनु हाम्रा हजुर बी-
२१. न्ति गरि पठाउनु हुकुम गयाबमोजीम साध चापन्यालाइ तम्बीह गर्नु ---------- ७
२२. आठमा सवाल मुलुकमा दैवी पर्न गया हाम्रा हजुर बिंति गरी पठाउनु आहाबाट जाचन मानीस
२३. पठाउला तेसले जांची ल्यायाबमोजीम् मोनासीब बुझी मोजरा बक्सौला ---------- ८
२४. नौमा सवाल चोरले चोरि गर्दा फेला पर्‍या निसाफ बुझदा कायेल भया हाम्रा हजुर बिन्ती गरी पठाउ-
२५. नु हुकुमबमोजीम काट्टन्या जातलाई काट्नु झुडयाउन्या जातलाइ झुडयाउनु अंगभंग गर्न्या जात-
२६. लाइ अंगभंग गर्नु डंड हुन्या जातलाइ डंड गर्नु ---------- ९
२७. दसम सवाल मुलुकमा बेगारको धुमधान हुन नदिनु सर्कारिआ काम हेरि बेगार दिनु अनेत्रवाट
२८. आयाको भया रोजीना आना दुइका दरले ज्याला दिलाइदिनु ज्याला नतिर्न्यालाइ बेगार दिनु -- १०
२९. ११ सवाल रितुवर्ण पाध्याको पट्टाबमोजीमको जगा र ६१ सालमा काटचाको जगाको जायदात्त मोना-
३०. सिब ठहर्‍याको मोजरा बक्सौला ---------- ११
३१. बाह्र सवाल ६०।६१ सालका उठचाका जगामा सायेर गयाको मोनासीब ठहर्‍याका रुपैया मो-
३२. जरा बक्सौला ---------- १२

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

२ सङ्ख्या

सरदार वीरभद्र कँवरलाई गएको चिठी

मूलपाठ

श्रीः ७

श्रीयमुना

सर्दार वीरभद्र कँवरके मसौदा

मुष्य हिडिहोस् नहींड्याको भया

१. उप्रांत कंवर सर्दारले मुहुडा जानालाइ वैशाषका १२ दीन् जाँदाको साये-
२. त् ठहराई राष्याछन् भनि श्रेष्ठ[1] थापा र बंदेउ थापाबाट अर्जि आयोथ्यो
३. तैले तेस्तरफको हालसुरत र हिड्यानहिंड्याको षबर नले-
४. ष्याको ढेरै दीन् भयो लेष्नामा तेस्तो गाफिली गर्न्या नगर् काजी
५. चामु भडारीबाट आयाका अर्जिमा फिरंगीले
६. किस्नसिं पाहाडसिं गैरह घर्फूट भयाका आदमीसित कर्मप्रकाशको
७. मिलाप गरायो मधेस्का अघी षायाका प्रगन्ना छाडिदियो गढि अ-
८. मल गरी नारान्गढमा मुर्चा जोरीराषेछ सबै संगुता मिली पिछाडी हंग-
९. मा गर्न्या डवल छ नाहानमा बल् पातलो छ भनि लेष्याको रहेछ तसर्थ
१०. तं श्रीमोरदेषी पुंढो नगयाको भया निधिरत्नज्यू किसन् आलेहरु नपु-
११. गंजीसम्म नाहानमा बसि हुन – – का घाट गैरह श्रीमोरको संभार ग-
१२. र्नु रगुवाली र आलेहरु पुग्यापछि मुहुडामा काजीहरुका सलाह-
१३. ले मोहरमा सर्‍यो झिकाया भन्या जानु षटनमा जाहां राष्छन् ताहा रहनु अंगरेजको जाठ मर्हट्टा सिषहरुमा
१४. कस्कस्सित क्या बन्दोबस्तको मिलाप भयो कस्कस्-
१५. सित कौन कुरामा फूट भयो सो षबर बुझ्न हर्कारा पठाइ निस्तुक बुझि
१६. मुहुँडाको षबरसमेत ताहांको हालसुरत हमेस् लेषतै रहन्या

---

१. सार्नेले ठीक नसारेको जस्तो देखिन्छ ।

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

१७. गर्नु मुहुडाबाट लेषी पठायाका कामकुरा चांडै हाम्रा हजूर बिंति
१८. गरी पठाउनु एताबाट पठायाको षजना र दोहोरा चिठीपत्र बिच-
१९. मा कतै नढिलाउँन्या ताकिती गर्दै रहनु १८६६ शाल जेष्टवदि १४
२०. रोज ७[२] शुभम्

भिन्नै हस्ताक्षरमा पछि लेखिएको

५००

सर्दार वीरभद्र कँवरके मसौदा ६६ का जेष्टवदि १३ को

(पररा‍ष्ट्रमन्त्रालयको ३२ नम्बरको पोकाबाट)

---

२. संवत् १८६६ शाकः १७३१

ज्येष्ठकृष्णः

	[गते]	[तिथि]	[वार]	[तिथिको घडी]	[पला]	[नक्षत्र]	[घडी]	[पला]	[योग]	[घडी]	[पला]
[ज्येष्ठ]	२	१४	श	२३।	९	भ	५९।	४७	सौ	३५।	५९

(लक्ष्मीपति-नयराजसङ्ग्रहको पात्रोबाट)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

एकतीसौँ वर्षको आम्दानीखर्चको विवरण

आम्दानी	१६७०९९।२८
मदनपुरस्कारपुस्तकालयबाट संशोधन-मण्डलले पाएको अर्थसहायता	१०००।-
साझा प्रकाशनमार्फत २ वर्षमा *पूर्णिमा, विद्या-रक्षा, सावधान-पत्र* बिक्री हुँदा	१०७६।७५
संशोधन-मण्डलमार्फत बिक्री हुँदा	
*अभिलेख-संग्रह*बाट	६००।-
*इतिहास-संशोधन*बाट	१०५०।-
*कौटलीय अर्थशास्त्र*को *ऐतिहासिक व्याख्या*बाट	६०।-
*नेपालसंवत्*को *राष्ट्रिय मान्यता*को *अनौचित्य*बाट	१०।-
*पूर्णिमा*बाट	२४३६७।३०
*रत्नदीप*बाट	९।३८
*विद्या-रक्षा*बाट	१५०।-
*वृत्तशतक*बाट	११।२५
*व्याकरण-संशोधन*बाट	१०५।-
*सावधान-पत्र*बाट	३००।-
दिनेशराज पन्तबाट संशोधन-मण्डलले पाएको अर्थसहायता	५५०।-
मुद्दती खाताको ब्याज	२७५३४।४९
बचत खाताको ब्याज	८९४।२६
पोहोरको बाँकी (*पूर्णिमा* १२९ पूर्णाङ्कको ९४ पृष्ठमा प्रकाशित)	१०९३८०।८५
	९९४१३।
खर्च	
पूर्णिमा १२१ पूर्णाङ्कमा	१५३२६।-
पूर्णिमा १२२ पूर्णाङ्कमा	१५८५५।-
पूर्णिमा १२३ पूर्णाङ्कमा	१६८०९।-
पूर्णिमा १२४ पूर्णाङ्कमा	१७४४५।-
सहायकलाई	२७०००।-

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

संशोधन-मण्डलको साइनबोर्ड बनाउँदा ११००।-

अभिलेख-संग्रह, इतिहास-संशोधन, पञ्चाङ्ग-संशोधन, पूर्णिमा,
*विद्या-रक्षा, सावधान-पत्र*का नभएका अङ्कको फोटोकपी – बिक्रीको लागि ४९०७।-

अरू ९७१।-

बाँकी ६७६८६।२८

मुद्दतीमा रु. ७८२०००।- (*पूर्णिमा*को १२९ पूर्णाङ्कको ९४ पृष्ठमा छापिएको)

बत्तीसौँ वर्षको आम्दानीखर्चको विवरण

आम्दानी ३९६४३४।३०

नेपाल सरकार शिक्षा तथा खेलकूदमन्त्रालयबाट
श्री ५को सरकार मन्त्रिपरिषत्सचिवालयको २०५७।७।२४
को निर्णयअनुसार २०६३।६४ र २०६४।२०६५ आ. व. मा आएको २००००।-
मदनपुरस्कारपुस्तकालयबाट संशोधन-मण्डलले २ पटक गरी पाएको अर्थसहायता २०००।-
साझा प्रकाशनमार्फत ३ वर्षमा *पूर्णिमा* बिक्री हुँदा १२८३।-
संशोधन-मण्डलमार्फत बिक्री हुँदा
*अभिलेख-संग्रह*बाट ४०१।-
*इतिहास-संशोधन*बाट ३५०।-
*इतिहास-संशोधनहरूको अभिन्दनग्रन्थ*बाट ८।-
*कौटलीय अर्थशास्त्रको ऐतिहासिक व्याख्या*बाट ५०।-
*नेपालसंवत्को राष्ट्रिय मान्यताको अनौचित्य*बाट १०।-
*पञ्चाङ्ग-संशोधन*बाट ६९।-
*पूर्णिमा*बाट ५२८८३।७५
*रत्नदीप*बाट ५।५०
*विद्या-रक्षा*बाट १००।-

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

*वृत्तशतक*बाट	७।-
*व्याकरण-संशोधन*बाट	७०।-
*श्री ३ महाराज पद्मशमशेरको कुरा*बाट	२४०।-
दिनेशराज पन्तबाट संशोधन-मण्डलले पाएको अर्थसहायता	१४००।-
मुद्दती खाताको ब्याज	६४०७०।५०
बचत खाताको ब्याज	५८००।२७
पोहोरको बाँकी (*पूर्णिमा*को यही अङ्कको ३५९ पृष्ठमा प्रकाशित)	६७६८६।२८
खर्च	**१८२८६३।**
पूर्णिमा १२५ पूर्णाङ्कमा	१९४०७।-
पूर्णिमा १२६ पूर्णाङ्कमा	२२२३४।-
पूर्णिमा १२७ पूर्णाङ्कमा	२४३६९।-
पूर्णिमा १२८ पूर्णाङ्कमा	२९०७९।-
सहायकलाई	४२७२३।-
संशोधन-मण्डलको सामान राख्न दराजके	३७०००।-
*पूर्णिमा, विद्या-रक्षा*को नभएका अङ्कको फोटोकपी – बिक्रीको लागि	५३५०।-
संशोधन-मण्डलको संग्रहमा रहेका अभिलेखहरूका छापाको संरक्षणको लागि कागत आदि	२५५।-
अरू	२४४६।-
बाँकी	**२१३५७१।३०**

मुद्दतीमा रु. ७८२०००।- (*पूर्णिमा*को यही पूर्णाङ्कको ३५९ पृष्ठमा छापिएको)

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu

पूर्णिमा (इतिहास-प्रधान त्रैमासिक पत्रिका) *का.मे.अ.द.नं. १५५/२४९*

कार्यालय

संशोधन-मण्डल

२७ डल्लुआवासमार्ग

काठमाडौँ

नेपाल

फोन नं. ४६७०३८०

४३०१०२५

४४३५७४९

ई-मेल – samshodhanamandala@yahoo.com

पो.ब.नं. ४१६६, काठमाडौँ

वि.सं. २०६७ ज्येष्ठ

यस अङ्कको मूल्य रु. १८०।-

मुद्रक

श्री प्रेस

एकान्तकुना, जावलाखेल

ललितपुर

नेपाल

फोन नं. ५५३२८२२